रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:31 | बुधवार,01 अक्टूबर

सूचना

विजयादशमी और दशहरा के अवसर पर एक और दो अक्टूबर को वनांचल आई कार्यालय में अवकाश रहेगा। इस कारण अगला अंक शनिवार दिनांक चार अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को नवरात्रि महाअष्टमी की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली: मोदी ने शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के उपलक्ष्य में हर किसी के जीवन में सुख और शांति की कामना की। उन्होंने एक्स हैंडल परलिखा, " सभी देशवासियों को नवरात्रि की महाअष्टमी की ढेरों शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।" प्रधानमंत्री मोदी ने शक्ति उपासना के इस महापर्व पर शारदीय नवरात्रि के आरंभ से ही देवी के हर स्वरूप के अवसर पर देशवासियों के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने देवी मां के चरणों को नमन करते हुए उनसे कामना कि सभी के दुखों को हरें। लोगों के जीवन में नए तेज का संचार करें। देवी माता के आशीर्वाद से सबका कल्याण हो। उन्होंने यह भी प्रार्थना कि देवी मां सभी को अदम्य साहस का आशीष प्रदान करें। सबके जीवन में आत्मबलका संचार करें।

दो अक्टूबर तक बंद रहेंगे बैंक

संवाददाता

रांची : दुर्गापूजा और दशहरा पर्व के अवकाश के कारण झारखंड के सभी बैंक मंगलवार से लगातार तीन दिनों तक बंद रहेंगे। बैंकिंग संघ की ओर से जारी सूचना के अनुसार मंगलवार को महाअष्टमी, एक अक्टूबर बुधवार को महानवमी-दशहरा एवं दो अक्टूबर गुरुवार को विजय दशमी और गांधी जयंती के अवसर पर अवकाश रहेगा। इस कारण राज्यभर में बैंकिंगसेवाएं बंद रहेंगी।

ईडी ने अमित गुप्ता की 15.41 करोड़ की संपत्ति जब्त की

संवाददाता

रांची :: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 734 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले की जांच के दौरान 15.41 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इससे पहले इस मामले में 5.20 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। जब्त की गई संपत्तियां घोटाले के मास्टरमाइंड के करीबी अमित गुप्ता के नाम हैं और ये सभी संपत्तियां कोलकाता में स्थित हैं। जांच में यह पाया गया कि घोटाले के सिंडिकेट ने कमीशन के रूप में 67 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जब्त की गई संपत्ति घोटाले के मास्टर माइंड के करीबी अमित गुप्ता की है। जब्त की गई सभी संपत्तियांकोलकाता में स्थित हैं।

अविनाश कुमार बने झारखंड के मुख्य सचिव, अलका को विदाई

सीएम के अपर मुख्य सचिव का भी प्रभार मिला है 1993 बैच के इस अधिकारी को

संवाददाता। रांची

रांची : 1993 बैच के आईएएस अविनाश कुमार झारखंड के नए मुख्य सचिव बनाए गए हैं। इसके साथ ही उन्हें कई अन्य महत्वपूर्ण पदों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। राज्य सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने 30 सितंबर की शाम इससे संबंधित अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, अविनाशकुमार के पास मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव और नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन के मुख्य स्थानिक आयुक्त का अतिरिक्त पदभार भी होगा। इसके पूर्व इसके अलावा विकास आयुक्त, झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का भी प्रभार था। अधिसूचना के अनुसार, राज्य स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव पद पर कार्यरत अजय कुमार सिंह को अगले आदेश तक विकास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अविनाश कुमार के पहले पहले 1988 बैच की आईएएसअधिकारी अलका तिवारी राज्य के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थीं। उनका कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो गया। उन्होंने 1 नवंबर 2024 को मुख्य सचिव का पद संभाला था। अलका तिवारी के बाद राज्य में आईएएस अफसरों की वरीयता सूची में शैलेश कुमार सिंह सबसे ऊपर हैं। वह वर्ष 1991 बैच के आइएएस अफसर हैं,

मर्डर केस में पुलिस की जांच में सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

तंत्र-मंत्र के चक्कर में सिद्धि पाने के लिए दोस्त की ही चढ़ा दी बलि

एजेंसी

गोलमुरी : गोलमुरी के गाढ़ाबासा में 22 साल के अजय बासा उर्फ झंटू नामक युवक की हत्या सोमवार की आधी रात में कर दी गई। इस हत्याकांड में पुलिस ने मुख्य आरोपी संदीप को रात में ही घटना के कुछ देर बाद गिरफ्तार कर लिया था। बाद में चार अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। संदीप ने जुर्म कुबूल कर लिया है। उसके एक मुख्य साथी भारत को भी पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि हत्या की योजना इन दोनों ने मिल कर बनाई थी। पुलिस का कहना है कि तंत्र- मंत्र में सिद्धि पाने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में संदीप के भाई, उसकी मां और उसके जीजा को भी हिरासत में लिया है। घटनास्थल से चाकू, बक्सा और पूजा का सामान बरामद कर लिया गया है। इसी बक्से में बेहोशी की स्थिति में अजय को भरकर केबुल टाउन से गाढ़ाबासा लाया गया था। घटना के फौरन बाद पकड़ाए संदीप से पूछताछ के बाद पुलिस उसके मुख्य सहयोगी भारत को पकड़ कर थाने लाई। इनसे पूछताछ के बाद तीन और संदिग्ध युवक पकड़े गए हैं। संदीप और भारत ने जो कहानी बताई है, उसके अनुसार संदीप तंत्र-मंत्र की सिद्धि पाना चाहता था।आरोपी अपने दोस्त अजय बासा की बलि देने की योजना तैयार कर चुका था। इसी योजना के तहत संदीप ने केबुल टाउन में किराए का एक कमरा लिया। यहां सोमवार की रात अजय बासा उर्फ झंटू को पार्टी के नाम पर बुलाया गया। अजय बासा यहां पहुंचा तो उसे खिलाने-पिलाने के बाद उसे बेहोश कर दिया और एक बड़े बक्से में बंद कर दिया। यह बक्सा संदीप और भारत बाजार से सोमवार को ही खरीद कर लाए थे। बक्से में अजय बासा को बंद करने के बाद उसे गाढ़ाबासा स्थित अपने घर लाया और

मुख्य आरोपी संदीप सहित पांच आरोपियों को जमशेदपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- **संदीप ने कबूला- साथी अजय के खून से किया गया तंत्र-मंत्र भारत के साथ मिलकर बनाई हत्या की योजना**
- **संदीप के भाई, उसकी मां और उसके जीजा को भी हिरासत में लिया गया**
- **घटनास्थल से चाकू, बक्सा और पूजा का सामान किया गया बरामद**

अजय के खून से किया गया तंत्र-मंत्र

आरोपी अपने दोस्त अजय बासा की बलि देने की योजना तैयार कर चुका था। इसी योजना के तहत संदीप ने केबुल टाउन में किराए का एक कमरा लिया। यहां सोमवार की रात अजय बासा उर्फ झंटू को पार्टी के नाम पर बुलाया गया। अजय बासा यहां पहुंचा तो उसे खिलाने-पिलाने के बाद उसे बेहोश कर दिया और एक बड़े बक्से में बंद कर दिया। यह बक्सा संदीप और भारत बाजार से सोमवार को ही खरीद कर लाए थे। बक्से में अजय बासा को बंद करने के बाद उसे गाढ़ाबासा स्थित अपने घर लाया और यहां तंत्र-मंत्र कीपूजा शुरू की।

अजय के पिता की मौत पर भी दिया बयान

संदीप ने अजय के पिता का होटल खरीद लिया था। संदीप ने पुलिस को बताया कि उसने अजय को तंत्र-मंत्र के जरिए अपने वश में कर लिया था। काफी समय से वह अजय की बलि चढ़ाने की तैयारी कर रहा था। जांच में पता चला है कि संदीप के पिता ने कुछ साल पहले फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। संदीप की बहन की भी संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी।

रांची में दुर्गोत्व की धूम : पंडालों में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

एजेंसी

रांची। शारदीय नवरात्र की महाष्टमी में रांची के किशोरगंज, मोरहाबादी और कमड़े स्थित देवी मंडपों और दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला. मां महागौरी की आराधना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. हाथों में पूजा की थाल, नारियल, फूल, अक्षत और प्रसाद लेकर भक्त मां के दरबार में पूजा-अर्चना करने पहुंचे. इस दौरान मंदिर परिसर जय माता दी के उद्घोष से गुंजायमान रहा. भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर देवी मां से अपनेपरिवार सुख शांति की कामना की।

मोराबादी में होगा रावण दहन मुख्यमंत्री हेमंत करेंगे उद्घाटन

रांची। विजयादशमी के अवसर पर राजधानी रांची के मोराबादी और अरगोड़ा मैदान में इस बार रावण दहन का आयोजन बेहद खास और भव्य होने वाला है. दोनों ही मैदानों में तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजक समितियां दर्शकों को यादगार अनुभव देने के लिए विशेष आकर्षण जोड़ रही हैं.मोराबादी मैदान की खासियत : हर साल की तरह इस बार भीरावण दहन का सबसे बड़ा आयोजन मोराबादी मैदान में किया जाएगा.

बिहार में फाइनल वोटर लिस्ट से कट गए 48 लाख नाम

अब 7.41 करोड़ मतदाता चुनेंगे नई सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली :चुनाव आयोग ने 22 साल बाद विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों का रास्ता साफ हो गया है। 243 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त होने के साथ, चुनाव की तारीखें अगले सप्ताह घोषित होने की संभावना है, जिसमें पहला चरण अक्टूबर के अंत में छठ के तुरंत बाद होने की उम्मीद है। भारत निर्वाचन आयोग ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर अंतिम मतदाता सूची अपलोड कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के आलोक में, 30 सितंबर, 2025 की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। कोई भी मतदाता https://voters.eci.gov.ल्ल लिंक के माध्यम से मतदाता सूची में अपने नाम का विवरण देख सकता है। चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा कि विशेष गहन संशोधन के मद्देनजर, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की गई है। कोई भी मतदाता दिए गए लिंक के माध्यम से मतदाता सूची में अपने नाम का विवरण देख सकता है। सटीक संख्याओं के बारे में और जानकारी

जीएसटी घोटाले के आरोपित अमित गुप्ता की 15.41 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की जब्त

एजेंसी

रांची: प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने 734 करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) घोटाले की जांच के दौरान 15.41 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इससे पहले इस मामले में 5.20 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जब्त की गई संपत्ति घोटाले के मास्टर माइंड के करीबी अमित गुप्ता की है। जब्त की गई सभी संपत्तियां कोलकाता में स्थित हैं। घोटाले के सिंडिकेट में शामिल लोगों ने कमीशन के तौर पर 67 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की है। ईडी रांची ने जीएसटी इंटेलिजेंस की ओर से दर्ज किए गए मामलों के आधार पर जीएसटी घोटाले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान ईडी ने आठ मई 2025 को जमशेदपुर और कोलकाता में छापा मारा। छापेमारी के दौरान मिले तथ्यों और सबूतों के आधार पर घोटाले के मास्टर माइंड शिवकुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा, अमित गुप्ता और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को गिरफ्तार किया गया था। ईडी की ओर से मामले की जांच के बाद गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। जांच में पाया गया कि जीएसटी घोटाले को अंजाम देने के लिए शिव कुमार देवड़ा सहित अन्य आरोपितों ने मिलकर 135 शेल कंपनियां बनाई हैं और शेल कंपनियों के सहारे बगैर सामग्रियों के आपूर्ति के ही जीएसटी का फर्जी बिला बनाया और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लिया। आरोपितों ने फर्जी जीएसटी बिल के बदले पांच प्रतिशत की दर से कमीशन लिया। इस तरह इन लोगों नें सिर्फ कमीशन के रूप में 67 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। मामले में ईडी की जांच जारी है।

न्यूज स्टडी

झारखंड सरकार के मंत्रियों का समूह पहुंचा सारंडा

आमसभा में ग्रामीणों ने की परंपरागत वन अधिकारों की सुरक्षा की मांग

एजेंसी

चाईबासा। झारखंड के सारंडा जंगल को वन्यजीव अभयारण्य (वाइल्ड लाइफ सेंचुरी) घोषित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ग्रामीणों की राय जानने के लिए सरकार द्वारा गठित मंत्रियों की टीम ने मंगलवार (30 सितंबर) को क्षेत्र का दौरा किया। ःरुप ऑफ मिनिस्टर्स में शामिल मंत्रियों ने ग्रामीणों की राय जानने के लिए आमसभा का आयोजन किया। यह दौरा विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा में किया गया। आमसभा में 56 गांवों के ग्रामीण और जन प्रतिनिधि काफी संख्या में शामिल हुए ।मंत्रियों के समूह में क्रमशः राधा कृष्ण किशोर, दीपक बिरुआ, चमरा लिंडा, दीपिका पांडेय सिंह, संजय प्रसाद यादव ने सारंडा वन्यजीव अभयारण्य की घोषणा से पहले स्थानीय जनजातीय समूहों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन पर पड? वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए यह संवाद आयोजित किया। ग्रामीणों की मुख्य चिंता और मांगें : सभा में ग्रामीणों ने वन्यजीव अभयारण्य घोषित होने पर अपनी आशंका और मांगों को खुलकर सामने रखा ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनके खेत, वनोपज और पारंपरिक पूजा- स्थलों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अपने परंपरागत वन अधिकारों की सुरक्षा की मांग की। खनन और रोजगारःस्थानीय लोगों ने लौह अयस्क खनन गतिविधियों पर अपनी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि खनन से जंगल, नदी और नाले तो बर्बाद हो रहे हैं, लेकिन स्थानीय युवाओं को नियमित रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने बंद पड़ी खदानों को फिर से चालू करने और सारंडा के युवाओं को 100 प्रतिशत रोजगार देने की मांग की। बुनियादी सुविधाएं : ग्रामीणों ने क्षेत्र में डीएमएफटी फंड का पैसा खर्च होने के बावजूद स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की कमी पर सवाल उठाए जैसे कि अस्पतालों में बेड की अनुपल?

चेन्नई में बड़ा हादसा : निर्माणाधीन थर्मल पावर स्टेशन में 30 फीट ऊंचाई से गिरा आर्च, 9 मजदूरों की मौत

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन (एनोर) के निर्माण स्थल पर मंगलवार को एक निमार्णाधीन इमारत ढह गई, जिसमें 9 मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 फीट की ऊंचाई के एक आर्च कई मजदूरों पर गिर गया। जिस वजह से कई मजदूर मलबे में दब गए। सभी मजदूर उत्तर भारत से हैं। घायलों को स्टेनली मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक उनके ऊपर 30 फीट ऊंचाई से आर्च गिर गया जिससे अफरातफरी मच गई और इसमें दबकर नौ मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी प्रवासी मजदूर बताए जा रहे हैं जो उत्तर भारत के रहने वाले हैं। मलबे में दबे हुए मजदूरों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। घायल मजदूरों में से एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। दस से ज्यादा मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायल मजदूरों को नॉर्थ चेन्नई के स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। अवादी पुलिस आयुक्तालय ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि, दुर्घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। बचाव अभियान जारी है और अधिकारियों ने घटना

दुर्गा पूजा और दिवाली में बूम पर रहेगा बाजार, बोनस से आएगा 3000 करोड़

रांची, संवाददाता ।

दुर्गा पूजा और दीवाली में इस साल बाजार बूम पर रहेगा. निजी और सार्वजनिक क्षेत्र से बोनस के रूप में लगभग 3000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे. यह राशि खरीदारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में खर्च की जाएगी. इसमें से लोग 25 से 35 फीसदी बचत भी करेंगे. रेलवे सहित अन्य सरकारी उपक्रमों से बोनस के रूप में लगभग 750 करोड़ रुपये दिए जाएंगे.

टाटा समूह के कर्मियों के साथ कोलकर्मियों को बोनस

1100 कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों को कुल 600 करोड़ रुपये तक बोनस मिलने की संभावना है.

झारखंड में लगभग 70,000 से अधिक कोयला कर्मी कार्यरत हैं.

कोल इंडिया की ओर से उन्हें 1.03 लाख रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे.

झारखंड के हिस्से में लगभग 750 करोड़ रुपये की राशि आएगी.

किस क्षेत्र में बोनस का कितना खर्च होगा

ज्वेलरी- पांच से छह फीसदी	मेडिकल एवं ट्रीटमेंट- 15 से 20 फीसदी	शराब- 100 फीसदी
शेयर एंड सेविंग- 10 से 12 फीसदी	वाहन- 25 से 30 फीसदी	होजियरी- 70 फीसदी
फर्नीचर- पांच से छह फीसदी	झारखंड में किस चीज का कितना बढ़ा है कारोबार	तकनीकी संयत्र- 110 फीसदी
कपड़ा- 40 से 50 फीसदी	इलेक्ट्रॉनिक प्रोड्क्ट- 55 फीसदी	हार्डवेयर- 190 फीसदी
टूर एंड इंटरटेनमेंट- पांच से आठ फीसदी	एलपीजी- 70 फीसदी	किराना गुड्स- 50 फीसदी
उधार चुकता- 10 से 15 फीसदी	मशीनरी उपकरण- 60 फीसदी	मशीनरी पार्ट्स- 50 फीसदी

दुर्गा पूजा में 1000 से 1200 करोड़ के कारोबार की संभावना

दुर्गा पूजा में लगभग 1000 से 1200 करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना है. राजधानी में भी लगभग 400 करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना जताई जा रही है. इसमें कपड़ा का कारोबार 40 से 50 से करोड़ रुपये का होगा.इसके अलावा टूर और इंटरटेनमेंट में भी खर्च किये जाएंगे. वाहनों की बुकिंग और खरीदारी में 70 से 80 करोड़ रुपये खर्च की संभावना है. धनतेरस में आभूषणों पर लगभग 70 करोड़ खर्च होने की संभावना है.इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्टों में लगभग 50 करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना है. मेडिकल-ट्रीटमेंट व अन्य सुविधाओं में लगभग 15 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है.

धनतेरस में भी बरसेगा धन

धनतेरस में भी धन बरसेगा. राजधानी में दुर्गा पूजा के पहले से ही सभी तरह के प्रोडक्टों की बुकिंग शुरू हो गयी है. ज्वेलरी में लगभग 50 से 55 करोड़ के कारोबार की संभावना है.ब्लश कलेक्शन में लाइटवेट में 18 कैरेट गोल्ड 1.88 ग्राम से 4.43 ग्राम के आभूषण और ग्लैम गोल्ड में 22 कैरेट के आभूषण बाजार में उपलब्ध करा दिये गये हैं. इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट की बिक्री में भी 50 फीसदी की वृद्धि हुई है.

300 करोड़ की प्रोपर्टी डीलिंग भी

बाजार के जानकारों के अनुसार राज्य भर में लगभग 300 करोड़ रुपये के प्रोपर्टी डीलिंग की भी संभावना जताई जा रही है. क्रॉकरी और स्टील के बर्तन में भी लगभग 20 करोड़ के कारोबार की संभावना है. मिक्सचर, बिस्किट और चॉकलेट में लगभग 10 करोड़ का कारोबार होगा. इन तीनों में लगभग 300 वेराइटियां उपलब्ध कराई गयी हैं.

झारखंड के इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी ! दशहरा में पड़ सकता है खलल

रांची, संवाददाता ।

इस साल 2 अक्टूबर का दिन बेहद खास है. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के साथ-साथ दशहरा भी है. इस दिन बापू की याद में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित होते हैं. साथ ही रावण दहन भी इसी दिन होना है. इस बीच मौसम केंद्र से आई खबर ने चिंता बढ़ा दी है. मौसम वैज्ञानिक सतीश चंद्र मंडल के मुताबिक 1 अक्टूबर को दोपहर के बाद से मौसम में बदलाव दिखना शुरू हो जाएगा जबकि 2 अक्टूबर और 3 अक्टूबर को राज्य के करीब 12 जिलों में भारी बारिश की संभावना है. इस दौरान वज्रपात और 30-40 किमी की रफ्तार से तेज हवा भी चलने की संभावना है.

बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर की वजह से बदलेगा मौसम

मौसम केंद्र के मुताबिक 30 सितंबर को उत्तरी अंडमान सागर में एक ऊपरी वायु साइक्लोनिक सकुर्लेशन के उभरने की संभावना है. इसके प्रभाव से 1 अक्टूबर को आसपास

बंगाल की खाली के मध्य भागों में एक लो-प्रेशर बनने की संभावना है. इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 2 अक्टूबर के आसपास पश्चिम-मध्य और निकटवर्ती उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तीव्र होकर डिप्रेशन में बदलने की संभावना है. फिर यह पश्चिम उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा और फिर 3 अक्टूबर की सुबह के आसपास दक्षिण ओड़िशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करेगा.

2 अक्टूबर से इन जिलों में होगी भारी बारिश

मौसमी बदलाव की वजह से झारखंड के सभी जिलों में 2 से 3 अक्टूबर के बीच हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है जबकि कुछ जिलों में भारी बारिश के आसार हैं. इनमें गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसांवा में भारी बारिश की संभावना जताते हुए चेतावनी जारी की गई है. जबकि 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर के बीच गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, देवघर, जामताड़ा और गिरिडीह जिला में भारी बारिश का अनुमान है. मौसम केंद्र, रांची ने संबंधित जिलों में 2 अक्टूबर से 5 अक्टूबर के बीच येलो अलर्ट जारी किया है.

रांची नगर निगम के 209 सफाई मित्र कर रहे है पूजा पंडालों की सफाई

रांची, संवाददाता ।

दुर्गा पूजा को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहरभर में विशेष सफाई अभियान शुरू किया है. इस अभियान में नगर निगम के कुल 209 सफाई मित्र लगातार दिन-रात मेहनत कर रहे हैं. उनका मुख्य उद्देश्य है कि पूजा पंडालों और उनके आसपास का पूरा इलाका स्वच्छ और साफ-सुथरा बना रहे, ताकि श्रद्धालू बिना किसी असुविधा के पूजा-अर्चना कर सकें. नगर निगम की ओर से प्रतिदिन सुबह और शाम नियमित रूप से सफाई की जा रही है. खासकर पूजा पंडालों के आसपास झाड़ू लगाना, कचरा उठाना और गंदगी का निस्तारण करना प्राथमिकता में रखा गया है. इसके साथ ही निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि रात के समय भी सफाई कार्य जारी रहे, ताकि अगले दिन श्रद्धालुओं को साफ वातावरण मिले. नगर निगम प्रशासन ने बताया कि सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए विशेष निगरानी टीम भी तैनात की गई है. यह टीमें अलग-अलग इलाकों का दौरा कर सफाई की स्थिति पर नजर रख रही हैं और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कार्रवाई कर रही हैं.

झारखंड की अंडर-23 क्रिकेट टीम घोषित, सीके नायडू ट्रॉफी में खिलाड़ी दिखाएंगे दम

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने बीसीसीआई डोमेस्टिक टूनामेंट कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड अंडर-23 पुरुष टीम की घोषणा कर दी है. यह टूनामेंट 16 अक्टूबर से जमशेदपुर में खेला जाएगा. इस संबंध में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी साझा की गई है. जेएससीए की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चयनित खिलाड़ियों को 4 अक्टूबर को जमशेदपुर पहुंचना है. टीम का प्रशिक्षण शिविर 5 से 12 अक्टूबर तक जमशेदपुर के केनन स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा.

राजनदीप को बनाया गया कप्तान

टीम की कमान राजनदीप सिंह को सौंपी गई है, जबकि रोबिन मिंज को उपकप्तान बनाया गया है. टीम में

कई युवा और प्रतिभाशाली चेहरे शामिल हैं, जिन्हें इस मंच पर अपने प्रदर्शन से भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने का मौका मिलेगा.

घोषित टीम इस प्रकार है

राजनदीप सिंह (कप्तान), रोबिन मिंज (उपकप्तान/ विकेटकीपर), मोहम्मद कौनेन कुरैशी, शुभ शर्मा, यशपी भगत (विकेटकीपर), नकुल कुमार यादव, आर्यन हुडा, ओम सिंह, अभिषेक यादव, अमित कुमार, रौनक कुमार, मोहम्मद अफसर, बिसेश दत्ता, हतिक आनंद, तनिष चौबे, शमशाद अहमद (फिटनेस पर निर्भर) औक सत्य सेतु शामिल हैं. इस संबंध में जेएससीए के सचिव सौरभ तिवारी ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन पूरी पारदर्शिता और प्रदर्शन के आधार पर किया गया है. उन्होंने उम्मीद जताई कि झारखंड की अंडर-23 टीम इस बार शानदार खेल दिखाएगी और राज्य का नाम रोशन करेगी. गौरतलब हो कि झारखंड की क्रिकेट प्रतिभा देशभर में अपनी पहचान बना रही है और अंडर-23 टीम की घोषणा से एक बार फिर यह साफ हो गया है कि राज्य के युवा क्रिकेटरों में अपार संभावनाएं हैं.

झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में 400 पदों पर भर्ती, 300 कर्मियों को मिलेगा प्रमोशन

रांची। झारखंड के युवाओं के लिए बड़ी खबर है. झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक मार्च 2026 तक 400 खाली पदों पर बहाली करेगा. इसके साथ ही बैंक में कार्यरत करीब 300 कर्मियों और पदाधिकारियों को प्रोन्नति दी जाएगी. वहीं संविदा पर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों को भी स्थायी किया जाएगा.बैंक की चेयरमैन विभा सिंह ने जानकारी दी कि इस पर बोर्ड से सहमति मिल चुकी है. उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में बैंक 90 करोड़ रुपये घाटे में था और सकल एनपीए 52% तक पहुंच गया था. अब स्थिति सुधर चुकी है, सकल एनपीए घटकर 9% और शुद्ध एनपीए 3% पर आ गया है. पहली बार बैंक ने 28 करोड़ रुपये आयकर का भुगतान भी किया है.वर्तमान में झारखंड स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के 16 लाख खाताधारी हैं और बैंक का कारोबार साढ़े चार हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

डीसी ने सपरिवार किए मां दुर्गा के दर्शन, जिला वासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रांची, संवाददाता ।

नवरात्र के पावन अवसर पर रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने आज सपरिवार शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण किया. इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और पूरे जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की. उपायुक्त ने पूजा पंडालों में पहुंचकर श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और सभी को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा सिर्फ धार्मिक उत्सव ही नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है. श्री भजन्त्री ने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस त्योहार को आपसी एकता, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं. साथ ही उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि पूजा के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि पर्व सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके.

बांधगाड़ी में सरना प्रार्थना सभा युवा समिति का गठन, 12 को आक्रोश महारैली में भाग लेने का निर्णय

रांची, संवाददाता ।

रांची के बांधगाड़ी, दीपाटोली में आयोजित विशेष बैठक में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा युवा समिति (अनिबंधित) का गठन किया गया. इस समिति की अध्यक्षता राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा महिला प्रकोष्ठ रांची महानगर की अध्यक्ष सुभानी तिग्गा करेंगी. बैठक में रांची समेत दूरदराज क्षेत्रों से आए सरना धर्मगुरुओं और धर्मावलंबियों ने सर्वसम्मति से समिति के पदाधिकारियों का चयन किया. इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की ओर से सभी धर्मगुरुओं को सरना गमछा और सखुआ वृक्ष भेंट कर सम्मानित किया गया, जो सरना संस्कृति की आत्मा माने जाते हैं.

नशामुक्त समाज और सांस्कृतिक जागरूकता का संकल्प

बैठक में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे सरना समाज को नशामुक्त, धर्मनिष्ठ, संस्कृति-समर्पित और शैक्षणिक रूप से जागरूक समाज के रूप में विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे.

12 अक्टूबर की आक्रोश महारैली में शक्ति प्रदर्शन का ऐलान

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 12 अक्टूबर 2025 को मोरहाबादी मैदान में आयोजित आक्रोश महारैली में महिला प्रकोष्ठ और युवा समिति की ओर से पूर्ण भागीदारी की जाएगी. यह महारैली कुड़मी/कुर्मी (महतो) को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में आयोजित की जाएगी.

समाज की व्यापक भागीदारी

इस समिति के गठन में नामकोम, हटिया, बांधगाड़ी, मांडर, लापुंग, हरमू, सिल्ली, टेंडर, चुंद जैसे गांवों से बड़ी संख्या में सरना अनुयायियों की सहभागिता रही. बैठक को सफल बनाने में रश्मि मिंज, गीता गाड़ी, राजकुमारी उरांव, ललिता खलखो, सीता खलखो, सुनीता कच्छप, बिनीता बीरुवा, अनू उरांव, साधनी उरांव, निरुपा टोप्पो, अमित गाड़ी, गैना कच्छप, मनीष तिग्गा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

झारखंड में सौर ऊर्जा शुल्क के नये नियम, लोड डिस्पैच सेंटर करेगा जांच

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विद्युत नियामक आयोग (जेएसईआरसी) ने सौर पीवी विद्युत परियोजना और सौर तापीय विद्युत परियोजना से बिजली खरीद के लिए नए शुल्क निर्धारण का नियम तैयार कर लिया है. इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए टैरिफ निर्धारण की प्रक्रिया को स्पष्ट करना और सौर परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देना है.

नियंत्रण अवधि और टैरिफ अवधि

सौर परियोजना के कॉमर्शियल संचालन की तिथि से शुरू होगी और 25 वर्षों तक रहेगी. 10 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली परियोजनाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बोली अनिवार्य होगी, जबकि 10 मेगावाट से कम क्षमता वाली परियोजनाओं के लिए समय दर समय आधार पर टैरिफ निर्धारित किया जाएगा. आयोग सौर पीवी विद्युत परियोजना, फ्लोटिंग सौर परियोजनाएं और सौर तापीय विद्युत परियोजना, सौर हाइब्रिड ऊर्जा परियोजना और भंडारण सहित सौर परियोजनाओं के लिए समय दर समय के आधार पर परियोजना-विशिष्ट टैरिफ निर्धारित करेगा.

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर इन चीजों की करेगा जांच

- जनरेटर की उपलब्धता
- मौसम पूवार्नुमान
- सौर विकिरण
- सामान्य सौर उत्पादन वक्र
- ग्रिड सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्ध सौर ऊर्जा का पूर्ण उपयोग करना
- मुख्य और चेक मीटरों में वास्तविक समय रीडिंग की सुविधा होगी
- मीटर रीडिंग की प्रक्रिया वितरण लाइसेंसधारी या स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर द्वारा तैयार की जाएगी
- मीटर की गई ऊर्जा का बिल मासिक आधार पर बनाया जाएगा

झारखंड हाईकोर्ट का सरकार को निर्देश : जेलों में एचआईवी टेस्ट व इलाज के लिए 6 हफ्ते में बनाएं नियम

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत जेलों में एचआईवी जांच और इलाज के लिए उचित दिशा-निर्देश और नियम बनाने का निर्देश दिया है. साथ ही कोर्ट ने सरकार को छह सप्ताह के भीतर अपना प्रस्ताव अदालत में पेश करने को कहा है. न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने यह आदेश एक आपराधिक अपील की सुनवाई के दौरान दिया. इस अपील में एक दोषी कैदी ने जेल में एचआईवी जांच करवाने से इनकार कर दिया था.

रोकथाम-इलाज के लिए जरूरी कदम उठाना सरकार की जिम्मेदारी

अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि धारा 5 के तहत, किसी व्यक्ति पर जबरन एचआईवी टेस्ट नहीं कराया जा सकता. लेकिन धारा 13 और 14 के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वे एचआईवी की रोकथाम और इलाज के लिए जरूरी कदम उठाएं. इसमें एचआईवी से संबंधित जांच सुविधाएं, इलाज (जैसे एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी) और संक्रमण नियंत्रण शामिल हैं. कोर्ट ने जोड़ा कि धारा 49 राज्य सरकार को नियम बनाने का अधिकार देती है ताकि अधिनियम को लागू किया जा सके.

एड्स नियंत्रण सोसाइटी से मामले में विचार-विमर्श आवश्यक : सरकार

सुनवाई के दौरान, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख सचिव ने संयुक्त रूप से कहा कि राज्य सरकार उचित उपाय करेगी. अदालत में दलील दी कि इस तरह के मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ भी विचार-विमर्श आवश्यक है. राज्य सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ मिलकर दिशा-निर्देश तैयार करे. यदि पहले से ही राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा कोई निर्देश दिया गया है, तो उसका सही तरीके से पालन किया जाए. अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 7 नवंबर की तिथि निर्धारित की। तब तक राज्य सरकार को अपने प्रस्ताव अदालत में पेश करने होंगे.

श्री श्याम मंदिर में मां महागौरी रूप का किया गया आह्वान

रांची, संवाददाता ।

श्री श्याम मंदिर में नवरात्र के अवसर पर मां भगवती की पूजा अर्चना व दुर्गा पाठ का आयोजन किया जा रहा है । आश्विन शुक्ल पक्ष की एकम से नवमी तिथि तक प्रतिदिन मंदिर के आचार्य द्वारा दुर्गा पाठ किया जा रहा है। प्रातःकालीन आरती में प्रतिदिन मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया एवं कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा उपस्थित रहते हैं। संध्या कालीन आरती में सैकड़ो भक्त शामिल होते हैं।

173 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 173 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। और मनोरथ जो कोई लावे सोई अमित जीवन फल पावे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया सुनील मोदी हर्ष कृष्णा कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

महानवमी में कन्या पूजन

शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्याम मंदिर में महानवमी के दिवस विशेष पूजन पाठ का आयोजन किया गया है। प्रातः 7:15 बजे यजमान संजीत चौधरी एवं रंजना चौधरी मां जगत जननी की विधि विधान से पूजा अर्चना करेंगे।इसके बाद हवन पूजन का कार्यक्रम 11:15 बजे से प्रारंभ होगा जो कि हवन पूणार्हुति के साथ सम्पन्न होगा। कुंवारी कन्याओं का पूजन उपहार समर्पण एवं महाप्रसाद भोजन का कार्यक्रम 12:15 से होगा। उपरुक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

सारंडा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का मामला

राधाकृष्ण किशोर की अध्यक्षता में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर गठित, अधिसूचना जारी

संवाददाता । रांची

रांची। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में पश्चिमी सिंहभूम जिला के सारंडा के जंगल के कायाकल्प की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ाया है. सारंडा वन क्षेत्र में 575.1941 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सारंडा वन्य प्राणी आश्रयणी (Sarada wild life Sanctuary) बनाने का प्रस्ताव24 सितंबर के कैबिनेट की बैठक में विचार के लिए लाया गया था. इस मामले में संबंधित विभागों के प्रधान सचिवों और सचिवों से विशेष चर्चा और विमर्श के बाद इस प्रस्ताव पर कोई भी अंतिम निर्णय लेने के पूर्व इसकी गहन और विस्तृत समीक्षा के लिए एक पांच सदस्यीय ग्रुप ऑफ मिनिस्टर गठित करने का फैसला भी कैबिनेट ने लिया. कैबिनेट के उसी फैसले के आलोक में आज सोमवार को झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की अध्यक्षता वाली ग्रुप ऑफ मिनिस्टर में शामिल मंत्रियों के नाम की अधिसूचना जारी कर दी. इस ग्रुप ऑफ मिनिस्टर में राधाकृष्ण किशोर को अध्यक्ष बनाया गया है जबकि सदस्य के रूप में मंत्री दीपक बिरुआ, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव और दीपिका पांडेय सिंह का नाम शामिल है. आज जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के आलोक में सारंडा वन क्षेत्र को पर्यावरण के दृष्टिकोण से संरक्षित करने और इस क्षेत्र में निवास करने वाले जनजातीय समूहों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक जीवन, उनकी रूढ़िवादी परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए संरक्षण और विकास का संतुलित दृष्टिकोण हुए उक्त समिति संबंधित क्षेत्र का स्थल भ्रमण कर और सभी पहलुओं पर विचार करके अपनी रिपोर्ट कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत करेगी. इस अधिसूचना में यह भी उल्लेखित है कि वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा उक्त ग्रुप ऑफ मिनिस्टर की कमिटी को अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जाएगा. साथ ही समिति के सभी सदस्यों के प्रोटोकॉल संबंधित अन्य व्यवस्थाएं संबंधित जिले के डीसी और वरीय पुलिस अधीक्षक/अधीक्षक करेंगे. 'सारंडा संरक्षण के साथ आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता' : ग्रुपऑफ मिनिस्टर की सदस्य ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशके आलोक में गठित पांच सदस्यीय समिति मंगलवार 30 सितंबर को सारंडा जंगल का दौरा करेगी. इस दौरे का उद्देश्य केवल न्यायालय के आदेश का पालन करना ही नहीं बल्कि स्थानीय जनजातीय समुदायों के साथ रायशुमारी कर उनके सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना भी है।

सरकारी डॉक्टर्स की आपात बैठक, सुरक्षा नहीं मिली तो कार्यबहिष्कार का लेंगे फैसला

संवाददाता । रांची

रांची । जिला के रांची सदर अस्पताल में 26 और 28 सितंबर को सदर अस्पताल में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट की घटना हुई. जिसको लेकर आगे की रणनीति बनाने के लिए झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विसेस एसोसिएशन (JSHSA) की रांची इकाई की आपात बैठक हुई. झासा रांची की ओर से इस तरह कीघटना की कड़ी शब्दों में निंदा की गयी. साथ ही सरकार से डॉक्टर और अन्य चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षाव्यवस्था पुख्ता करने की मांग की गयी. आज की बैठक में डॉक्टर और चिकित्सा कर्मियों में काफी आक्रोशथा. कइयों ने हड़ताल पर जाने काप्रस्ताव भी रखा जिसे जनहित में छुट्टीएवं विशेष कर त्योहार को देखते हुए खारिज कर दिया गया. इंडियनमेडिकल एसोसिएशन (IMA) की झारखंड इकाई ने भी लगातार राज्य में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ मारपीट और अमर्यादित व्यवहार पर चिंता जताई है. सरकार से राज्य के चिकिसकों की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है. 'अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए' : झासा रांची के द्वारा सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार एवं उपाधीक्षक डॉ बिमलेश कुमार सिंह से मिलकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया गया. रांची सिविल सर्जन और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने घटना पर अपनी संवेदना एवं चिंता व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि चिकित्सक समुदाय और मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ेगी. झासा रांची की मुख्य मांगें : ..सदर अस्पताल में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति को रोकने एवं सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम हो...सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित गार्ड की तैनाती हो एवं सीसीटीवी कैमरा का दायरा बढ़ाया जाए.कुछ दिनों से लगातार हो रही डॉक्टर एवं पारामेडिकल कर्मी के साथ मारपीट एवं अभद्र व्यवहार की घटना का कोलेकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव,

बेड़ो प्रखंड के सेरो मैदान में पांच दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट संपन्न, फाइनल मैच में पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की

संवाददाता । रांची

बेड़ोःबेड़ो प्रखंड के सेरो मैदान में आयोजित पांच दिवसीय भव्य फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन जोरदार उत्साह के बीच हुआ। फाइनल मुकाबले के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व शिक्षा मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्री बंधु तिर्की उपस्थित हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मो० मोजीबुल्लाह तथा उप प्रमुख मोदसीर आलम भी शामिल हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने हेतु ऐसे आयोजनों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

झारखंड हाईकोर्ट का सरकार को निर्देश जेलों में एचआईवी टेस्ट व इलाज के लिए 6 हफ्ते में बनाएं नियम

संवाददाता । रांची

रांची : रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के तहत जेलों में एचआईवी जांच और इलाज के लिए उचित दिशा-निर्देश और नियम बनाने का निर्देश दिया है. साथ ही कोर्ट ने सरकार को छह सप्ताह के भीतर अपना प्रस्ताव अदालत में पेश करने को कहा है.न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने यह आदेश एक आपराधिक अपील की सुनवाई के दौरान दिया. इस अपील में एक दोषी कैदी ने जेल में एचआईवी जांच करवाने से इनकार कर दिया था. रोकथाम-इलाज के लिए जरूरी कदम उठाना सरकार की जिम्मेदारी :अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि धारा 5 के तहत, किसी व्यक्ति पर जबरन एचआईवी टेस्ट नहीं कराया जा सकता. लेकिन धारा 13 और 14 के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वे एचआईवी की रोकथाम और इलाज के लिए जरूरी कदम उठाएं.इसमें एचआईवी से संबंधित जांच सुविधाएं, इलाज (जैसे एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी) और संक्रमण नियंत्रण शामिल हैं. कोर्ट ने जोड़ा कि धारा 49 राज्य सरकार को नियम बनाने का अधिकार देती है ताकि अधिनियम को लागू किया जा सके. एड्स नियंत्रण सोसाइटी से मामले में विचारवि मर्श आवश्यक : सरकार : सुनवाई के दौरान, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख सचिव ने संयुक्त रूप से कहा कि राज्य सरकार उचित उपाय करेगी. अदालत मेंदलील दी कि इस तरह के मामलों सेप्रभावी ढंग से निपटने के लिए एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ भी विचारवि मर्श आवश्यक है.7 नवंबर को होगी अगली सुनवाई :

40 वर्ष से अधिक उम्र के लिए आयोजित 1st हॉकी सिमडेगा मास्टर्स कप 2025 पुरुष में आज तीसरे दिन 04 मैच हुए

- रेंगारी, बांस पहार कोचेडेगा,मरियमपुर और सिमडेगा पूर्वी की टीम जीत हासिल कर सेमीफाइनल में

संवाददाता । रांची

रांची :आज के मैच पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अंजलूस बिलूग, चंद्रशेखर खलखो, बिरेंद्र लकड़ा, एलेक्सिस लकड़ा, एरिक लकड़ा, जोसेफ लुगुन, एल्याजर लकड़ा जैसे खिलाड़ियों ने अपने कलात्मक खेल दर्शकों का मन मोह लिया40 वर्ष से अधिक उम्र सीमा के हॉकी खिलाड़ियों के लिए पहली बार 28 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में हॉकी सिमडेगा द्वारा आयोजित 1२३ हॉकी सिमडेगा मास्टर कप 2025 पुरुष में आज तीसरे दिन चार मैच हुए। रेंगारी ने कुजूर ब्रदर को 3=2 से, मरियमपुर ने ए टअठ बीएसएफ को 5=2 से, सिमडेगा पूर्वी ने जोराम भोक्ता एकादश को 2=0 से तथा बांसपहार कोचेडेगा ने सरांडो को पेनाल्टी शूटआउट में 4=2 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाया , मैदानी खेल में दोनो ही टीम तीन तीन गोल की बराबरी पर रहे। रेंगारी, बांस पहार कोचेडेगा,मरियमपुर और सिमडेगा पूर्वी की टीम सेमीफाइनल में जगह बनाया।

आज के मैच पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अंजलूस बिलूग, चंद्रशेखर खलखो, बिरेंद्र लकड़ा, एलेक्सिस लकड़ा, एरिक लकड़ा, जोसेफ लुगुन, एल्याजर लकड़ा जैसे पूर्व के दिग्गज दिग्गज खिलाड़ियों ने अपने कलात्मक खेल से दर्शकों का मन मोह लिया। इससे पूर्व आज के पहले मैच को डीडी न्यूज के जिला प्रमुख श्री मनोज कुमार सिन्हा, दूसरे मैच को तुमड़ेगी पेरिस का फादर थॉमस, भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित ऑल इंडिया टूनामेंट बेटन कप में 1984 में प्लेयर ऑफ द टूनामेंट रहे एल्क्सियस लकड़ा, तीसरे मैच में हॉकी सिमडेगा के पंखरासियुस टोप्पो और चौथे मैच में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अंजलुस बीलूंग ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अंजलुस बीलूंग ने कहा कि हॉकी सिमडेगा का यह आयोजन बहुत ही सराहनीय है मैं आज वर्षो बाद पुन मैदान में खेल रहा हूं।

64वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

- रेलवे स्पोर्ट्स 274 अंकों के साथ बना ओवर ऑल विजेता
- पुरुष वर्ग में एस एस सी बी 174 के साथ बना विजेता।
- महिला वर्ग में रेलवे स्पोर्ट्स 175 अंकों के साथ बना विजेता
- पुरुष वर्ग में एस एस सी बी के मणिकांता एस 100 मीटर 10.19 से. 1142 अंकों के साथ बेस्ट एथलीट
- महिला वर्ग में रेलवे स्पोर्ट्स की पूजा 800 मीटर 2:03.16 कुल 1107 अंकों के साथ बेस्ट एथलीट बनी।
- पुरुष ट्रिपल जंप में झारखंड के विशाल बहादुर मीटर पदक से चुके रहे 16.02 मीटर जंप कर चौथे स्थान पर रहे
- 4 गुणा 100 मीटर महिला झारखंड टीम फाइनल में छठे स्थान पर रही

संवाददाता । रांची

राँचीः एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली एवं खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड तथा झारखंड एथलेटिक्स संघ,के संयुक्त तत्वाधान में 27 से 30 सितम्बर तक बिरसा मुंडा स्टेडियम,मोराबादी,रांची में आयोजित 64वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप देश भर से भाग ले रहे 765 एथलीटों के बीच अंतिम दिन रेलवे स्पोर्ट्स एवं एस एस सी बी के बीच काटे की टक्कर रही जिसमें रेलवे स्पोर्ट्स ओवर ऑल विजेता बना।विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि श्री शेखर जमुआर, निदेशक खेल कूद एवम युवा कार्य निदेशालय झारखंड, रांची एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुची सिंह,डॉ0 सरोजनी लकड़ा, शिवेंद्र नाथ दुबे, श्री संदीप सरकारिया, शिवेंद्र कुमार, रजनीश कुमार द्वारा खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर चेयरमेन फाइनेंस कमिटी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया सह अध्यक्ष झारखंड ओलंपिक संघ, डॉ मधुकांत पाठक,झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी डी सिंह,सचिव एस के पांडे , प्रभाकर वर्मा ,सिकंदर महतो, रणवीर सिंह, अजय नायक, बंधन टोप्पो, उमेश लोहरा डी एस ओ धनबाद, शशांक भूषण सिंह ,प्रभात रंजन तिवारी, योगेश यादव,आशु भाटिया, अनुभा खाखा का महत्वपूर्व सहयोग रहा।वही टेक्निकल डेलीगेट कुलदीप सिंह,सोमनाथ मल्लिक, गिरीश मिश्रा, हनीफ इकबाल,अनवर हुसैन,मंच संचालक मो फरीद,अनिल कुजूर, बिनोद कुमार, शिव रमन, राजेश सिंह सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

ब्रीफ न्यूज

डीसी ने सपरिवार किए मां दुर्गा के दर्शन, जिला वासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

संवाददाता । रांची

रांची : नवरात्र के पावन अवसर पर रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने आज सपरिवार शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और पूरे जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उपायुक्त ने पूजा पंडालों में पहुंचकर श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की और सभी को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा सिर्फ धार्मिक उत्सव ही नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक है। श्री भजन्त्री ने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस त्योहार को आपसी एकता, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। साथ ही उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि पूजा के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि पर्व सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके।

ED की बड़ी कार्रवाई, GST धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड की 15.41 करोड़ की संपत्ती अटैच

संवाददाता । रांची

रांची : एऊयानी प्रवर्तन निदेशालय कोलकाता और हावड़ा में बड़ी कार्रवाई करते हुए 15.41 करोड़ रुपये की 10 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है। ये सभी संपत्तियां कारोबारी अमित गुप्ता की हैं, जो बड़े पैमाने पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी सिंडिकेट के मास्टरमाइंड में से एक माना जाता है। एऊके अनुसार, अमित गुप्ता और उसके सहयोगियों के खिलाफ यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय अधिनियम, पीएमएलए 2002 के तहत की गई है। इस मामले में कुल कुर्क की गई राशि लगभग 20.70 करोड़ रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, अमित गुप्ता की गिरफ्तारी और उसके खिलाफ जांच कई महीनों से चल रही थी। यह सिंडिकेट फर्जी आईटीसी क्लेम करके सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने में शामिल था। कुर्क की गई संपत्तियों में आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने बताया कि जांच अभी जारी है और आरोपी के अन्य सहयोगियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में संपत्तियों की कुर्की का उद्देश्य अपराध से अर्जित धन को सुरक्षित करना और धोखाधड़ी रोकना है।

रातु हुरहुरी में कुएं में डूबे युवक शव निकाला गया

संवाददाता । रांची

रांची : रातु। थाना क्षेत्र के हुरहुरी लॉरेंस स्कूल स्थित कुएं में डूबे युवक को स्थानीय लोगो ने दो घण्टे के कड़े मशकत के बाद निकाल लिया। युवक के डूबने के बाद शव पानी के नीचे चला गया था। कुएं में पानी भरा होने के कारण लगभग 2 घंटे के बाद शव निकाला गया। युवक की पहचान मो समद अंसारी (20 वर्ष) के रूप में हुई । वह सिमडेगा का रहने वाला था।

नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन लोगों को मिली राहत

संवाददाता । रांची

रांची :बुढ़मूः चकमे पंचायत के मतवे गांव के बरटोली में सोमवार को 25 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया । ट्रांसफार्मर जल जाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था । इसे लेकर पूर्व जिला परिषद पार्वती देवी को सूचना दी गई। उन्होंने बिजली विभाग को इस मामले से अवगत कराया।ट्रांसफार्मर मुहैया कराने में सहयोग की अपील की। विभाग से वार्ता कर 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराया गया। जिसका उद्घाटन पार्वती देवी,'' नेता वार्ड सदस्य वारिस अंसारी, सद्दाम अंसारी, शाकिब अंसारी, वहाब अंसारी, अब्दुल अंसारी, मुमताज अंसारी, मजीद अंसारी, महमूद अंसारी, सफीक अंसारी, सजबुल अंसारी, गुल्लू अंसारी, उमराली अंसारी, रेहान अंसारी, आदि थे।

रांची, 30 सितंबर झारखंड के विभिन्न जिलों में एक से चार अक्टूबर तक भारी बारिश होने की आशंका है।

संवाददाता । रांची

रांची :विभाग के अनुसार मौसम में यह परिवर्तन उत्तरी अंडमान के समुद्री क्षेत्र में बने निम्न दबाव के कारण हो रहा है। इसके प्रभाव से राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से तेज हवा चलने एवं आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।वहीं दो अक्टूबर को राज्य के उत्तर पूर्वी जिले देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज और इन जिलों से सटे मध्यवर्ती भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। साथ ही कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।वहीं तीन अक्टूबर को भी राज्य के कई इलाकों में गर्जन के साथ तेज गति की हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। साथ ही अक्टूबर को राज्य के उत्तर पूर्वी और उत्तरी मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की आशंका है।

सीआईएसएफ ने सोनारडीह ओ पी क्षेत्र के अवैध कोयला खदान मे की बड़ी कार्रवाई

दर्जनों टन कोयला समेत एक जेसीबी जब्त की, कई अवैध मुहानों का किया भंडाफोड़

धनबाद, संवाददाता

दुर्गा पुजा के अवसर पर एक तरफ जहाँ चारो ओर धार्मिक उत्साह मे लीन है तो वहीं दूसरी तरफ जिले के बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत सोनारडीह ओपी क्षेत्र में सीआईएसएफ की एरिया-3 यूनिट ने अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई करते अपनी कर्तव्यपरायणता की बेहतर नजीर प्रस्तुत की है। बीसीसीएल के एरिया-3 के ब्लॉक-4 स्थित ओरिएंटल आउटसोर्सिंग पैच में की गई इस कार्रवाई में टीम ने एक बिना नंबर प्लेट वाली जेसीबी मशीन को जब्त किया, जिसका इस्तेमाल अवैध खदानों मे अवैध खुदाई के लिए प्रयुक्त किया जा रहा था। इस दौरान घटनास्थल पर दर्जनों टन अवैध रूप से निकाले गये कोयले भी मिले। टीम के मुताबिक, इस क्षेत्र मे अवैध खनन का कार्य लंबे समय से होने के साथ साथ सुनियोजित तरीकों से होने का बात बताया गया। इस मौके पर 3-4 अवैध मुहाने मिले और मजदूरों की सुरक्षा के लिए पिलर व तार की घेराबंदी तक की गई थी। इससे साफ है कि यह काम लंबे समय से सुनियोजित तरीके से चल रहा था। कार्रवाई के दौरान टीम को कई टन अवैध कोयला भंडारित मिला। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस कारोबार के पीछे क्षेत्र के एक प्रभावशाली जनप्रतिनिधि के करीबी लोगों का हाथ है, जिससे काले कारोबार का यह धंधा बेखौफ चलाया जा रहा है। फिलवक्त सीआईएसएफ द्वारा जेसीबी को जब्त करने के साथ साथ अन्य कार्रवाई करने की बातें तो बतायी जा रही है, परन्तू इस संबंध मे स्थानीय सोनारडीह पुलिस कोई विशेष जानकारी देने से परहेज कर रही है । चाहे जो भी हो ओ पी क्षेत्र की इस बड़ी कार्रवाई ने अवैध खनन के संगठित बड़े नेटवर्क में हड़कंप तो जरूर मचा दिया है। अब देखना यह है कि इस घटना पर पुलिस प्रशासन का रवैया क्या होगा । क्या दोषियों पर कानूनी शिकंजा कसेगा ? या फिर यह घटना काली दुनिया के समक्ष एक 'रूटीन वर्क' जैसी दलील बनकर रह जाएगी।

विजयादशमी को प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण का होगा भूमि पूजन : सोनू गिरी

विजयादशमी को विहिप भी निकालेगा प्रभु श्रीराम का विजय जुलूस

धनबाद, संवाददाता

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के स्थापना दिवस विजयादशमी को सुबह 11 बजे जय माता दी मंदिर परिसर में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन करेगा। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग मंत्री सोनू गिरी ने इस आशय की जानकारी अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दिया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने 12 अप्रैल 2025 को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जय माता दी मंदिर परिसर में श्रीराम जी की मूर्ति की स्थापना किया था और 2 अप्रैल 2026 को हनुमान जन्मोत्सव पर प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण का संकल्प भी लिया था। विहिप बजरंग दल विभाग मंत्री सोनू गिरी ने बताया कि श्रीराम मंदिर का नक्शा अभियंताओं द्वारा बनाया गया है। हनुमान जयंती के अवसर पर 2 अप्रैल 2026 को श्रीराम मंदिर का उद्घाटन होगा । उन्होंने बताया कि विजयादशमी के अवसर पर भूमि पूजन के बाद प्रभु श्रीराम का विजय जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस में बजरंग दल और हनुमान मंदिर के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने सिंदरी की जनता से इन दोनों कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। इस अवसर पर बजरंग दल सिंदरी प्रखंड संयोजक रंजीत कुमार निषाद, सिंटू सिंह, प्रखंड अध्यक्ष अमन कुमार ठाकुर, प्रखंड मंत्री नीरज गिरी, रोहित सिंह, विनोद यादव, विकास बाउरी, दिलीप, अभिषेक भगत, देव कर्मकार, विवेक शर्मा उपस्थित थे।

श्रीकृष्णा गौ फाउंडेशन द्वारा पंडालों में ठंडा पानी की व्यवस्था

पुटकी : नवरात्र पर श्रीकृष्णा गौ फाउंडेशन के संस्थापक सूरज कुमार गिरी उर्फ. विशाल ने पुटकी बाजार व कच्छी बलिहारी समेत विभिन्न दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क ठंडा पानी की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य नि:शुल्क मानव सेवा व गौ सेवा को बढ़ावा देना है। इस मौके पर कच्छी बलिहारी दुर्गा पूजा समिति ने उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के कई सदस्य सक्रिय रहे। पानी वितरण कार्यक्रम में फाउंडेशन के सदस्य कोशल सिंह, रोशन शर्मा, अरविंद कुमार, अमरजीत शर्मा, अभय सिंह, सोहित सिंह, सोनू पटेल, यशवंत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

आकाश किनारी काली मंदिर स्थित मां दुर्गा पूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन

धनबाद। आकाश किनारी काली मंदिर परिसर में स्थापित मां दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन भाजपा नेता सह समाजसेवी बशिष्ट चौहान ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा शक्ति और आस्था का पर्व है, जो समाज को एकजुट करने का कार्य करता है। पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उद्घाटन कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य लोग, श्रद्धालु और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पूजा पंडाल की सुंदरता और आकर्षक सजावट लोगों का ध्यान खींच रही है।

विधायक राज सिन्हा ने की पूजा पंडालों में जाकर माता रानी का लिया आशीर्वाद

धनबाद : महा अष्टमी दुर्गा पूजा के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद के मनइटांड कुम्हार पट्टी , श्री श्री दुर्गा पूजा समिति धनसर, मटकुरिया में आयोजित भव्य दुर्गा पूजा महोत्सव ,श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति गोधर बस्ती, श्री श्री दुर्गा पूजा समिति लोयाबाद पूजा समितियों, पूजा पंडालों में घूम कर पूजा समिति के सभी सदस्यों एवम आमलोगों से मिल उन्हें बधाई दी और माता रानी का आशीर्वाद ग्रहण किया। विधायक राज सिन्हा ने धनबाद और कोईलांचल के विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा किया और पूजा समितियों से मुलाकात की। विधायक राज सिन्हा ने पूजा समितियों के साथ बातचीत की और उनकी तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही बढ़िया पूजा आयोजन के लिए बधाई दी एवम उत्साहवर्धन किया.

महाअष्टमी का खीर और पूडी का भोग वितरण कर नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्याम नगर भूली ने अपने भोग वितरण को पूरा किया

धनबाद, संवाददाता

धनबाद : नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्याम नगर भूली के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विधिवत अष्टमी का भोग वितरण कर सेवा भाव कार्य को पूरा किया। भूली ए ब्लॉक आने जाने वाले श्रद्धांलुओं को भोग में खीर पुड़ी की प्राप्ति हुई। महा अष्टमी का भोग ग्रहण कर भक्तो के बिच खुशी का माहौल दिखा।नेताजी सुभाष चंद्र बोस समित यूंही हर वर्ष अपनी यह भक्ति भाव श्रद्धांलुओं के बिच लेकर आते रहेंगे।माता से बस यही केहना है की सभी लोग आपस में मिला जुलकर रहे, सबो का बिच भायचारा बानी रहे साथ साथ ही हमारे संस्था के आपकी द्दस्टि बनी रहे। संस्था के अध्यक्ष श्री राकेश कांति विस्वास ने कहां की हमलोग सामाजिक कार्य के साथ साथ इसी प्रकार अपना कार्य करते रहेंगे। और मै अपनी पूरी टीम से बात कहना चाहता हूं की आप सब यूंही सहयोग करते रहे और संस्था को और भी ऊचाई तक पहुंचाने में मदद करें। भोग वितरण कार्य में जो भी जिसके द्वारा सहयोग किया गया उन्हें तहे दिल से धन्यवाद।

महाअष्टमी भोग वितरण कार्य के बारे में नीलकमल खावस ने यह जानकारी दी की यह कार्य हमेशा यूँही चलते रहेगा। साथ ही यह संस्था जरुरतमंदो के लिए हमेसा आगे रहती है। इस संस्था की यह खूबी है की संस्था में एकजुटता दिखती है।आज इस कार्य में नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के अध्यक्ष श्री राकेश कांति विश्वास संयोजक श्री राजेंद्र प्रसाद साहू सचिव श्री दिलबाग सिंह, रमेश यादव, त्रिभुवन जी, प्रदीप श्रीवास्तव, पूर्णिमा विश्वास इंदु देवी, मंजू देवी, अमीषा कुमारी, काजल कुमारी, अमन कुमार, सोनू कुमार प्रदीप बाउरी, गौरव मुखर्जी, और सभी कार्यकर्ता बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

जय माता दी मंदिर में भक्तों के भीड़ के साथ समाज के गणमान्य भी पधारे

धनबाद जिला में नगर निगम के अंतर्गत तीसरे स्थान में आनेवाला जय माता दी मंदिर जिला उपायुक्त के सभी मापदंड में खड़ा है : रंजीत कुमार

धनबाद, संवाददाता

सिंदरी। मां दुर्गा के पूजन कार्यक्रम में सामिल होने धनबाद जिला में नगर निगम के अंतर्गत तीसरे स्थान में आनेवाला जय माता दी मंदिर के कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह, युवा संघर्ष मोर्चा केंद्रीय संयोजक सह समाजसेवी दिलीप सिंह एवं झारखंड प्रदेश किन्नर समाज के प्रदेश सचिव सह चुनाव आयोग की ब्रांड एम्बेसडर श्वेता किन्नर सिरकत कीं। जय माता दी मंदिर के संध्या पूजन कार्यक्रम में पहुँचते ही मंदिर के संगरक्षक रंजीत कुमार, अध्यक्ष अविनाश सिंह, कोषाध्यक्ष प्रशांत चंद्र हुई, इंद्रमोहन सिंह, पवन शर्मा, कुमार राजेश ऊर्फ मुन्नाजी आदि ने आगन्तुकों का स्वागत किया। उसके बाद पूजन कार्यक्रम में सभी सम्मलित हुए। पूजन कार्यक्रम के अंतर्गत पंडितों के द्वारा किए जा रहे मन्त्रोंच्चारण से वातावरण भक्तिमय हो गया एवं सभी भक्त अपने आप झूमने लगे। जय माता दी मंदिर परिसर की साफ सफाई, लोगों के आने जाने की सुगमता, वॉलंटियारों की जगह जगह पर रहने से पूजन कार्यक्रम सह परिसर में शांति एवं सौहार्दपूर्वक पूजन कार्यक्रम सैकड़ों की भीड़ होने के वाबजूद हो सका। मौजूदा लोगों ने मंदिर परिसर प्रबंधक एवं उनकी टीम की सराहना की। जय माता दी मंदिर के कार्यक्रम को सफल करने में सतदेव सिंह, किशोर सिंह, रंजन सिंह, नवीन रजक, अतुल सिंह, हरेंद्र सिंह, तेजू सिंह, सोनू ठाकुर, मनीष गुप्ता, निरंजन अग्रवाल के साथ पिंटू मोदी, वसीम खुरेसी दर्जनों लोग मौजूद थे।

रिक्रेशन क्लब थाना मैदान में ब्रह्माकुमारीज की चैतन्य झांकी का हुआ भव्य शुभारंभ

ऐसे दिव्य कार्यक्रम की मेजबानी करना गर्व की बात : राकेश सिंह

रामगढ़, संवाददाता

शास्त्री चौक स्थित हिताची एटीएम के पास संचालित ब्रह्माकुमारीज राजयोग मेडिटेशन सेवा केंद्र द्वारा थाना मैदान में मंगलवार को भव्य चौतन्य झांकी का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एके सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति भुरकुंडा के अध्यक्ष राकेश सिंह एवं बीके रामदेव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात अपने संबोधन में डॉ. एके सिन्हा ने कहा कि जीवंत स्वरूप में देवियों के दर्शन कर आत्मा अलौकिक शांति का अनुभव कर रही है। ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और भक्ति की नई चेतना जगाते हैं। मैं स्वयं ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय में कई कार्यक्रमों में सम्मिलित हो चुका हूं, जिनकी स्मृतियां आज भी ताजा हैं। पूजा समिति के अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि अपने प्रांगण में ऐसे दिव्य कार्यक्रम की मेजबानी करना गर्व की बात है। ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं समाज के नैतिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बीके रामदेव ने चैतन्य झांकी का अर्थ समझाते हुए कहा मां दुर्गा वह शक्ति है जो हमारे दुगुर्णों का विनाश करती है। मां लक्ष्मी परमात्मा के ज्ञानधन से आत्मा को समृद्ध करती है। मां सरस्वती राजयोगविद्या से हमें ज्ञानवान बनाती है। उन्होंने बताया कि सभी देवियों की वास्तविक शक्ति परमात्मा शिव से ही प्राप्त होती है, जो आज राजयोग द्वारा ब्रह्माकुमारी बहनों को सजीव दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, काली और गायत्री के रूप में गढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह चैतन्य झांकी विजयादशमी तक प्रतिदिन शाम 4 से रात 8 बजे तक जनता के दर्शनार्थ खुली रहेगी। झांकी में मां दुर्गा का रूप धारण बीके रोशनी बहन, मां सरस्वती और आरती कुमारी मां लक्ष्मी का सजीव रूप है, जो कि श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक का केंद्र बना हुआ है। बताया गया कि कार्यक्रम के समापन के बाद 3 से 10 अक्टूबर तक निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर आयोजित किया जाएगा।

विधायक ने भक्ति जागरण, झांकी कार्यक्रम का फीता काट कर किया उद्घाटन

गोला। गोला प्रखंड के कोराम्बे में रामगढ़ विधायक ममता देवी ने भक्ति जागरण व झांकी कार्यक्रम का फीता काट कर किया उद्घाटन। गोला प्रखंड के कोराम्बे में श्री श्री दुर्गा पूजा कमिटी की ओर से भक्ति जागरण एवं झांकी कार्यक्रम का आयोजन देर रात बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रामगढ़ विधायक ममता देवी ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि विधायक ममता देवी ने सर्वप्रथम देवी दुर्गा के मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की और मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना करते हुए सभी को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति ने विधायक ममता देवी का चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कांग्रेस के गोला प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, मुखिया गीतांजलि तिर्की, पूर्व मुखिया विशाल करमाली,जगेश्वर महतो, अमरलाल कुशवाहा, बिस सूत्री सदस्य गौरी शंकर महतो, किस्टो तुरी, लतीफ अंसारी, समिति के अध्यक्ष भागीरथ राजवंश, सचिव जलधर चंद्र कपड़दार, कोषाध्यक्ष भागी महतो, काली करमाली, सूची रजवार, देवचरण महतो, चंदर महतो, प्रमोद महतो, गौतम महतो, धनु रजवार, उत्तम कुशवाहा, संतोष कुशवाहा आदि थे।

जिंदल स्टील पतरातु में भक्ति और उत्साह के दुर्गा पूजा का हुआ भव्य आयोजन

ऐसे आयोजन हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करते हैं: कृष्ण बल्लभ सिंह

❖भक्ति जयकारों से गूंज रहा है क्षेत्रद्व भक्ति के सागर में डूबे श्रद्धालु महिला-पुरूष

रामगढ़, संवाददाता

जिंदल स्टील बालकुरा पतरातु परिसर में इस वर्ष दुर्गा पूजा बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जा रही है। हनुमान मंदिर प्रांगण में स्थापित मा दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष 8 दिनों से विधिवत पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को मुख्य पुजारी शशिकांत पाठक ने मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान से संपन्न कराई। यजमान के रूप में प्लांट प्रमुख कृष्ण बल्लभ सिंह, महाप्रबंधक संतोष कुमार, आईबीएन राव, दीपक सिंह एवं दीपक कुमार उपस्थित रहे। आयोजन में सतीश कुमार सिंह मानव संसाधन प्रमुख, रूपेश कुमार, अभय कुमार ने भी सक्रिय सहयोग दिया। पूजा के साथ-साथ प्रतिदिन डांडिया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय महिलाएं, पुरुष और बच्चे उत्साह से भाग ले रहे हैं। बच्चों को विशेष मंच देकर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित भी किया गया। प्लांट प्रमुख कृष्ण बल्लभ सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह आस्था, एकजुटता और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। पूरे कार्यक्रम में परिसर के लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति ने माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर कंपनी के समस्त अधिकारी और कर्मचारी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

आरएसएससंघ की स्थापना के100वर्ष पुरे होने पर गिद्दी ए में भी मनाया गया स्थापना दिवस

मां दुर्गा मंडप पर विधिवत रूप से भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया नमन और भगवा ध्वज तले की गई शस्त्र पूजन

रामगढ़, संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा संघ की स्थापना के 100 वर्ष पुरा होने पर पूरे देश सहित व्यापक स्तर पर हर वर्ष की भांति गिद्दी ए दुर्गा मंडप पर शस्त्र पूजन का आयोजन भगवा ध्वज के तले किया गया। सर्वप्रथम भारत माता की तस्वीर का पूजन एवं शस्त्रों का पूजन जिला सह कार्यवाह अमित कुमार एवं मांडू विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा किया गया।तत्पश्चात मुख्य शिक्षक मनीष सन्नी कुमार ने संघ के तौर तरीके पर कार्य करते हुए मौजूद लोगों से ध्वज प्रणाम गीत गवाया गया और संघ जिला सह कार्यवाह अमित कुमार ने बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से ओम प्रकाश महतो (खंड कार्यवाह), मनोज कुमार खंड बौद्धिक कार्यकर्ता, मनीष कुमार पृथ्वी जिला बाल प्रमुख, सन्नी कुमार मुख्य शिक्षक, अमित कुमार मिश्रा जिला सह कार्यवाह, पुरुषोत्तम पाण्डेय सांसद प्रतिनिधि मांडू विधानसभा, गुंजन साव सांसद प्रतिनिधि डाडी, बृजकिशोर पाठक, बसंत सिन्हा, प्रवीण कुमार सिंह, सुनंद कुमार, अखिलेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कुश महतो, सिया राम सिंह, सुदामा शर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, जितेंद्र सिंह, रमेंद्र पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की मुस्तैदी: अफवाहों पर न दें ध्यान, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने आमजन से की अपील : लातेहार एसपी कुमार गौरव

डीसी और एसपी ने संभाल रखी है जिले की कमान, जिलेभर में हो रही गतिविधियों पर है नजर

लातेहार, संवाददाता

दुर्गा पूजा के दौरान शांति, सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के द्वारा आज मनिका प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालो का निरीक्षण कर अवलोकन में लगे हैं, साथ ही प्रमुख चौक-चौराहे, विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान पूजा पंडालों में विधि-व्यवस्था, भीड़-नियंत्रण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरा एवं पार्किंग की व्यवस्था आदि का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया, उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान आपातकालीन तैयारियां जैसे अग्निशमन, चिकित्सा सुविधा, और आपातकालीन सेवाओं का जायजा लिया, उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से समन्वय स्थापित कर प्रशासन को सहयोग करते हुए आपसी भाईचारे, शांति एवं सद्भाव के साथ दुर्गा पूजा का उत्सव मनाने की बात कही, जिला प्रशासन ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे पूजा पंडालों में दर्शन के दौरान शांति बनाए रखें, यातायात नियमों का पालन करें, और किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। जिला प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि दुर्गा पूजा का यह पर्व जिले में हर्षोल्लास, शांति, और सुरक्षा के साथ संपन्न हो, मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, मनिका प्रखंड विकास पदाधिकारी, मनिका अंचल अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी समेत कई समाजसेवी उपस्थित थे।

दशहरा को लेकर पुलिस का ट्रैफिक रूट प्लान शहर के इन रास्तों पर गाड़ियां पूरी तरह बैन

2 अक्टूबर तक बदली रहेगी व्यवस्था

पटना, एजेंसी। दशहरा को लेकर पटना पुलिस की ओर से ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। इस प्लान के तहत शहरी इलाके के कई रूटों पर बदलाव किया गया है। कुछ रास्तों पर वाहनों को डायवर्ट तो कुछ पर गाड़ियों को बैन किया गया है। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि दिन रात दुर्गा पूजा और दशहरा में लोग दर्शन करने आते रहते हैं। जिसके चलते प्रेशर रहता है। इसी के चलते कुछ ट्रैफिक रूट में बदलाव किए गए हैं। हालांकि इस बदलाव में आपातकालीन सेवाओं को बाहर रखा गया है। यह 29 सितंबर दोपहर 3 बजे से 2 अक्टूबर तक व्यवस्था लागू रहेगी।

बेली रोड में राजा बाजार फ्लाईओवर नीचे और उसके आसपास की यातायात व्यवस्था 1. सगुना मोड़ की ओर से पटना हवाई अड्?डा: सगुना मोड़ (पश्चिम) से हवाई अड्?डा जाने वाले छोटे वाहन बेली रोड में रूकनपुरा, राजाबाजार ओवरब्रीज के नीचे जगदेवपथ से बीएमपी होते हुए जा सकते हैं। 2. सगुना मोड़ की ओर से हड़ताली चौक: सगुना मोड़ से पूरब हड़ताली मोड़/आयकर गोलम्बर की ओर जाने वाले छोटे वाहन सगुना मोड़ से रूकनपुरा से राजा बाजार फ्लाईओवर के ऊपर से जा सकते हैं। 3. सगुना मोड़ की ओर से दीघा/राजीव नगर/पाटलिपुत्र: सगुना मोड़ से बेली रोड होते हुए दीघा/पाटलीपुत्र /राजीवनगर आदि जाने वाले छोटे वाहन आशियाना मोड़ से बायें आशियाना दीघा रोड होते हुए जा सकते है। 4. राजीव नगर/दीघा की ओर से हड़ताली चौक: राजीवनगर/दीघा से हड़ताली चौक जाने वाले छोटे वाहन आशियाना-दीघा रोड से राजीवनगर नाला के सटे रोड से केशरी नगर होते हुए राजीव नगर आरओबी नीचे (अटल पथ) से अटल पथ होते हुए जा सकते हैं। इसके अलावे आशियाना दीघा रोड से रामनगरी मोड़ से फ्रेंड्स कॉलोनी रोड से एजी कॉलोनी रोड से हुआहुस्क के बगल से जेडी विमेंस कॉलेज होते हुए बेली रोड से पूरब हड़ताली की ओर जा सकते हैं। 5. राजीव नगर/दीघा की ओर से सगुना मोड़: राजीवनगर/दीघा से सगुना मोड़ जाने वाली छोटे वाहन आशियाना-दीघा रोड में पासपोर्ट ऑफिस से मौर्या पथ से अम्बेडकर पथ से बेली रोड होते हुए जा सकते हैं। 6. राजीव नगर/दीघा की ओर से पटना हवाई अड्?डा: आशियाना दीघा रोड से राजीवनगर नाला के सटे रोड से केशरीनगर होते हुए राजीवनगर आरओबी नीचे (अटल पथ) से अटल पथ होते हुए जा सकते हैं। 7. डुमरा टीओपी से सगुना मोड़: बेली रोड में छोटे वाहन डुमरा टीओपी तक जाएंगे, वहां से बायें हवाई अड्?डा से बीआईटी होते हुए फुलवारीशरीफ / जगदेव पथ होते हुए जा सकते हैं। 8. डुमरा टीओपी से राजीव नगर/दीघा: बेली रोड में आशियाना नगर/एजी कॉलोनी / समनपुरा जाने वाले छोटे वाहन बेली रोड में पोलर नं- 91 से दाहिने यू-टर्न लेकर जेडी विमेंस कॉलेज के बगल से आईजीआईएमएस के बगल से एजी कॉलोनी रोड से आशियाना दीघा रोड होते हुए जा सकते हैं। 9. हड़ताली चौक की ओर से सगुना मोड़: हड़ताली चौक से पश्चिम सगुना मोड़ की ओर जाने वाले सभी वाहन हड़ताली चौक से सीधे राजवंशीनगर से चिड़ियाखाना से बेली रोड फ्लाईओवरब्रीज उपर से जा सकते हैं। अशोक राजपथ एवं उससे जुड़े मार्ग की यातायात व्यवस्था 1. कारगिल चौक से गांधी चौक तक परिचालन दोनों तरफ से होगा। अशोक राजपथ में कारगिल चौक से एनआईटी मोड़ तक छोटे वाहनों का परिचालन दोनों तरफ से होगा। 2. गांधी चौक से गायघाट तक (वन-वे): इस मार्ग में छोटी वाहन केवल पश्चिम से पूरब की ओर जाएंगे। पूरब से पश्चिम की ओर आने वाले छोटे वाहन गायघाट चौराहा से दक्षिण बिस्कोमान गोलम्बर, कुम्हरार से पुरानी बाईपास होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं, अथवा जेपी गंगा पथ से गांधी मैदान / दीघा की ओर जा सकते हैं। 3. गायघाट से चौक मोड़ पटना सिटी तक (वन-वे): इस रूट में पश्चिम से पूरब की ओर जाने वाले छोटे वाहनों के लिए एकतरफा यातायात व्यवस्था रहेगी। पूरब से पश्चिम की ओर आने वाले छोटे वाहन चौक शिकारपुर नाला, गुलजारबाग, तुलसी मंडी से पुरानी बाईपास होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं। 4. चौक मोड़ से दीदारगंज तक: चौक मोड़ से दीदारगंज तक केवल पश्चिम से पूरब की ओर छोटे वाहन जा सकते हैं। दीदारगंज से पश्चिम अशोकराज पथ में सभी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा। ये वाहन दीदारगंज से न्यूबाईपास से टॉल प्लाजा होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं। 5. पश्चिम दरवाजा: पश्चिम दरवाजा से अशोक राजपथ में पूरब से पश्चिम वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा। यहां से सभी वाहन नवाब बहादुर रोड से गुलजारबाग स्टेशन रोड से अगमकुंआ फ्लाईओवर होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं। 6. पूरब दरवाजा: पूरब दरवाजा से अशोक राजपथ में पूरब से पश्चिम वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा। पूरब दरवाजा से सभी वाहन मोर्चा रोड से सुदर्शन पथ से चौक शिकारपुर आरओबी होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं। 7. पटना सिटी चौक: पटना सिटी चौक से अशोक राजपथ में पूरब से पश्चिम की ओर वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

पटना सिटी चौक से नई सड़क (गुरु गोविन्द सिंह पथ) से सुदर्शन पथ से गुलजारबाग सटेशन रोड से अगमकुआं आरओबी होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं।

डाकबंगला चौराहा/ आयकर गोलम्बर/ कोतवाली के आसपास की यातायात व्यवस्था

1. जीपीओ गोलम्बर ऊपर/नीचे जीपीओ: गोलम्बर ऊपर/नीचे से सभी व्यावसायिक वाहनों का परिचालन बुद्ध मार्ग (उत्तर) की ओर नहीं होगा। ये वाहन जीपीओ गोलम्बर से पश्चिम आर ब्लॉक चौराहा की ओर जा सकेंगे।
2. डाकबंगला चौराहा भ?ह्यचार्य चौराहा: पटना जंक्शन एवं स्वामीनंदन तिराहा की ओर से डाकबंगला की तरफ सभी वाहनों का परिचालन वर्जित होगा।
3. डाकबंगला चौराहा से कोतवाली तक: इस मार्ग पर दोनों फ्लैंकों में सभी प्रकार के वाहनों का आवाजाही पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।
4. न्यू डाकबंगला रोड से एसपी वर्मा रोड: इस रोड में वाहनों का परिचालन नहीं होगा। पटना जंक्शन से गांधी मैदान जाने वाली छोटी गाड़ियां गोरिया टोली चौक से एक्जीबिशन रोड होते हुए जा सकेंगी और इसी रूट से दोबारा लौटेंगी।

मोतिहारी में युवक की मौत सड़क जाम-आगजनी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में मंगलवार को इलाज के दौरान युवक की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। परिवार का आरोप है कि %सड़क हादसे में घायल होने के बाद हम उसे छतौनी थाना क्षेत्र के बाइपास पर सनराइज हॉस्पिटल ले गए थे। डॉक्टर ने इलाज के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की। कुछ पैसे बकाया होने के कारण डॉक्टर ने ऑक्सीजन और दवा बंद कर दी, जिससे बबलू की मौत हो गई।% युवक की मौत के बाद परिवार गुस्से में है। अस्पताल में तोड़फोड़ की गई है। सड़क पर शव रखकर परिजनों ने जाम लगा दिया है। आगजनी भी हुई है। पटना छतौनी थाना क्षेत्र के बाइपास स्थित सनराइज हॉस्पिटल की है। मृतक की पहचान रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मजुरहा गांव के बबलू कुमार (22) के रूप में हुई है। बबलू की शादी एक महीने पहले ही हुई थी। वह 2 भाइयों में सबसे बड़ा था। ऑटो चलाकर अपने परिवार को पालता था। 6 दोस्तों के साथ घूमने गया था बबलू रविवार को बबलू अपने 6 दोस्तों के साथ टोटो से घूमने निकला था। बंजरिया थाना क्षेत्र के सिंघिया गुमटी के पास एक ट्रक ने उनके टोटो को टक्कर मार दी, जिससे सभी 6 दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने डायल-112 की टीम को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। बबलू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए सनराइज हॉस्पिटल रेफर किया गया था, जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टर पर ऑक्सीजन बंद करने का आरोप बबलू की मौत के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि % डॉक्टर ने इलाज के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की थी। कुछ पैसे बकाया होने के कारण डॉक्टर ने ऑक्सीजन और दवा बंद कर दी, जिससे बबलू की मौत हो गई।% इस आरोप के बाद आक्रोशित परिजनों ने हॉस्पिटल में तोड़फोड़ की और शव को सड़क पर रखकर मुआवजे की मांग करते हुए जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर छतौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और सड़क जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि रविवार को हुई सड़क हादसे में 6 युवक घायल हुए थे, जिनमें से एक की मौत हो गई है। घायल युवकों की पहचान छोटू (16), छोटू (17), प्रिनांशु (19), सोनू (17) और विक्की (19) के रूप में हुई है।

श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठा बेगूसराय

बेगूसराय/मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय में माता दुर्गा का पट खुलते ही जय माता दी, जय मां दुर्गे और अन्य भक्ति नारों के जयकारों से पूरा जिला गूंज उठा। माता दुर्गा के जागरण के साथ ही शहर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो गया। पंडाल में श्रद्धालुओं और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मध्यरात्रि में माता का पट खुलते ही हर ओर जयकारों की गूंज फैल गई। माता के पट खुलने के साथ ही महिला श्रद्धालुओं का खोइंचा भरने की पारंपरिक रस्म भी आरंभ हो गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की, जिससे हर ओर अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। जिले के बखरी, तेघरा, बलिया, भगवानपुर, बेगूसराय शहर, बिशनपुर सहित हर ओर भक्ति का माहौल देखने को मिला। माता दुर्गा के आकर्षक पंडाल श्रद्धालुओं के मन मोह रहे हैं। बेगूसराय जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। चौक-चौराहों पर पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। ट्रैफिक सुचारू बनाए रखने के लिए जगह-जगह ट्रैफिक पुलिस को तैनात किया गया है। इस प्रकार बेगूसराय नवरात्र का महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। जिले के बखरी, शहर के बीएनपी 8, बिशनपुर, लाखो, तेघरा, मंझौल, खोदावंदपुर, नावकोठी, साहेबपुरकमाल सहित अन्य जगहों पर सज-धज कर तैयार पंडाल और रोशनी से जगमगाते मार्ग भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं को रमने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मेले में लगे आकर्षक झूले और मीना बाजार भी श्रद्धालुओं को खूब आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे और बुजुर्ग का उत्साह चरम पर दिखाई दे रहा है। मुजफ्फरपुर में शारदीय नवरात्र पर्व के आठवें दिन यानी अष्टमी तिथि पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी देवी के पूजन और दर्शन का विधान है। जिले के मंदिरों में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के भक्तों की बड़ी भीड़ उमड़ी। नवरात्र के अष्टमी तिथि होने के कारण अन्य दिनों की तुलना में मंदिरों में अधिक भीड़ देखने को मिली। शहर के माता संतोषी मंदिर में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे। महिला श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी रही, जिन्होंने माता से अपनी मन्नतें मांगी। मंदिरों में भक्तों के जय-जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। महागौरी देवी के गीतों से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिर गुलजार रहे। आज सुबह से ही भक्तों की कतारें लगी रहीं, और सभी माता का दर्शन-पूजन कर रहे हैं। कल शाम को ही जिले के सभी दुर्गा मंदिरों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं ने दर्शन प्रारंभ कर दिए थे।

रोहतास में भी लगे आई लव मोहम्मद के पोस्टर, वीडियो हुआ वायरल

रोहतास, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बाद अब बिहार के कई जिलों में भी %आई लव मोहम्मद% लिखे पोस्टर लगने लगे हैं। ताजा मामला रोहतास जिले के डेहरी ऑन सोन स्थित ईदगाह मोहल्ले से सामने आया है। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि इस मामले पर पूछे जाने पर रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने कहा कि पोस्टर में ऐसा कुछ नहीं है, जैसा कि वायरल में दावा किया जा रहा है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत हर व्यक्ति को अपनी आस्था प्रकट करने और किसी भी धर्म या मजहब का पालन करने का अधिकार है, बशर्ते यह सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के खिलाफ न हो। लेकिन नवरात्र के मौके पर देश के कई राज्यों में अचानक उभर रहे इस ट्रेंड को लेकर लोग इसे किसी सोची-समझी साजिश का हिस्सा मान रहे हैं। इसे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

डेहरी के ईदगाह मोहल्ले में अचानक लगे पोस्टरों से स्थानीय लोगों की चिंता और हैरानी बढ़ गई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के कानपुर, बरेली और लखनऊ समेत कई शहरों में ऐसे ही %आई लव मोहम्मद% पोस्टर सामने आने के बाद जमकर बवाल मचा था। वहां पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार भी किया था। इसके जवाब में हिंदू संगठनों ने %आई लव महादेव% लिखे बैनर और पोस्टर लगाना शुरू कर दिया।

मॉर्निंग वॉक पर गई महिला गंगा नदी में डूबी

शव तलाशते समय स्थानीय लोग नाव में फंसे

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले में सुबह-सुबह एक बड़ा हादसा हुआ जब मॉर्निंग वॉक पर गई एक महिला गंगा नदी में डूब गई। महिला के शव की तलाश में जब स्थानीय लोग नाव में सवार होकर बीच गंगा नदी गए, तो आधा दर्जन लोग भी तेज धारा में फंस गए। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, नदी में डूबी महिला का शव अभी तक बरामद नहीं हो सका है। नदी का बहाव बहुत तेज है और आशंका जताई जा रही है कि महिला बहकर काफी दूर चली गई है। यह घटना सहदेई प्रखंड क्षेत्र के गनियारी की है, जहां पिछले कई दिनों से भीषण कटाव हो रहा है। घटना के अनुसार, देसरी प्रखंड के भिखनपुरा वार्ड नंबर 3 निवासी अरुण महतो की पत्नी शिला देवी मॉर्निंग वॉक पर गई थी।

टहलते-टहलते महिला कटाव देखने पहुंची, लेकिन उसी स्थान की मिट्टी अचानक नदी में कट गई और महिला गंगा में समा गई। आसपास मौजूद लोग जब तक कुछ कर पाते, महिला पहले ही डूब चुकी थी और नदी की तेज धारा में बह चुकी थी। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। एसडीआरएफ की टीम लगातार महिला के शव की तलाश कर रही है, लेकिन तेज बहाव के कारण सर्च ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि महिला के डूबने की सूचना मिली है। शव की खोजबीन जारी है और पूरे मामले की जांच पड़ताल भी की जा रही है।

प्रशांत किशोर के आरोपों पर चिराग पासवान का पलटवार

बोले- जिन पर आरोप, वो जवाब देने में सक्षम; जातिवाद ने बिहार को पीछे धकेला

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रशांत किशोर के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्रियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, यह जांच का विषय हो सकता है। लेकिन जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, वे स्वयं सक्षम हैं अपना जवाब देने में। चिराग पासवान ने कहा कि, दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी के एक नेता ने अपनी ही पार्टी के मंत्रियों की सूची जारी की थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां भी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

एसआईआर की फाइनल रिपोर्ट पर बोले चिराग चिराग पासवान ने एसआईआर की फाइनल रिपोर्ट पर कहा कि, रिपोर्ट आने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इसमें कितनी राजनीति करता है। उन्होंने साफ कहा कि, इस रिपोर्ट को लेकर केंद्र सरकार पर अनावश्यक आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि इसका केंद्र से कोई संबंध नहीं है। तेजस्वी यादव पर चिराग पासवान ने जोरदार पलटवार तेजस्वी यादव द्वारा अति पिछड़ों को अपना वोट बैंक बताने पर चिराग पासवान ने जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में भी जाति के आधार पर वोट मांगना केवल नेता प्रतिपक्ष की सोच हो सकती है। इसी मानसिकता ने बिहार को पीछे धकेला है। राजद का 'एम -वाय' वोट बैंक ही जातिवाद का प्रतीक है।

विपक्ष सरकार की योजनाओं से घबराया- चिराग- बिहार सरकार के खजाने को खाली बताने और योजनाओं की घोषणा पर सवाल उठाने वाले तेजस्वी के बयान पर चिराग ने पलटवार किया है। चिराग पासवान ने कहा कि, विपक्ष सरकार की योजनाओं से घबरा चुका है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार काम कर रही है, जबकि विपक्ष केवल उन्हें घर में बैठकर पैसा देने की बात करता है। बिहार सरकार परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की सोच पर काम कर रही है।

मेला में युवक की पुरानी रंजिश में पीट-पीटकर हत्या

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां मेला देखने आए एक युवक की थाने से कुछ ही दूरी पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना को पुरानी रंजिश से जोड़ा जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की छानबीन में जुट गई है।

यह घटना नगर थाना क्षेत्र के वीएम फील्ड के पास हुई। मृतक की पहचान गोपालगंज जिले के मांझा थाना क्षेत्र के छितौनी गांव निवासी राज कुमार के पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है। सुनील कुमार मेला देखने आया था, तभी कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते उस पर हमला कर दिया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विकास कार्यों को नई गति और दिशा मिलेगी : नीतीश

20,658 योजनाओं का उद्घाटन, कार्यारंभ व

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 11,921 करोड़ रुपए की 20,658 योजनाओं का उद्घाटन, कार्यारंभ व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से विकास कार्यों को नई गति और दिशा मिलेगी। इससे लोगों का जीवन स्तर और बेहतर होगा। 4,116 करोड़ की 4,593 योजनाओं का उद्घाटन हुआ। 7,805 करोड़ की 16,065 योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ हुआ। विभिन्न विभागों के भवन निर्माण से संबंधित 997 करोड़ की 97 योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ तथा 2467 करोड़ की 137 योजनाओं का उद्घाटन हुआ। छूटे हुए टोलों में पेयजल आपूर्ति तथा बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं से संबंधित 5190 करोड़ की 15670 योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ हुआ, 1377 करोड़ की 4312 योजनाओं का उद्घाटन हुआ। जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन, अनुमंडलीय अस्पताल, औषधि भंडार गृह एवं स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण वाली 1121 करोड़ की 281 योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ एवं 272 करोड़ की 144 योजनाओं का उद्घाटन हुआ।

पांच अक्टूबर तक पूरे बिहार में बारिश-वज्रपात के आसार

पटना, एजेंसी। बिहार में आज यानी 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और आंधी-तूफान के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 30 सितंबर को कोसी-सीमांचल के जिलों में बारिश और वज्रपात के आसार हैं। वहीं एक से 5 अक्टूबर तक राज्य के लगभग सभी हिस्सों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि अगले 72 घंटों में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। इसके बाद अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री तक तापमान कम होने का पूर्वानुमान है। वहीं अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने के आसार हैं।

महानवमी और विजयादशमी को कैसा रहेगा मौसम- मौसम विभाग ने 30 सितंबर को उत्तर और दक्षिण-पूर्व बिहार के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं और आंधी-तूफान की आशंका जताई गई है। एक और दो अक्टूबर किशनगंज, अररिया, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा अधिकांश जिलों में आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

उत्तर पूर्व बिहार (सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा): 30 सितंबर को अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं दो अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक तक अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

दक्षिण पश्चिम बिहार (भोजपुर, बक्सर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल): 30 सितंबर से एक अक्टूबर तक कुछ स्थानों पर बारिश के आसार है। वहीं तीन अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक तक अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

दक्षिण मध्य बिहार (गया, जहानाबाद, पटना, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय): 30 सितंबर को को कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं दो अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक तक अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

दक्षिण पूर्व बिहार (भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया): 30 सितंबर को को कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

किस क्षेत्र में किस तारीख को बारिश के असार

- उत्तर पश्चिम बिहार (पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान): 30 सितंबर को को कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं दो अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक तक अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं।
- उत्तर मध्य बिहार (मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर): 30 सितंबर को को कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं दो अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक तक अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं।

बिहार के कामाख्या में पूरी रात चला तंत्र साधना

बखरी पुरानी दुर्गा स्थान में उमड़ी भीड़, श्मशान में पूजा के बाद अंतिम आहुति देने पहुंचे मंदिर

बेगूसराय, एजेंसी। देश-विदेश में लोग जानते हैं कि असम का कामाख्या शक्ति पीठ तंत्र साधकों का सबसे बड़ा केंद्र है। लेकिन इसके बाद साधना की सिद्धि का सबसे बड़ा केंद्र बिहार का बखरी पुरानी दुर्गा स्थान है। यहां के शक्ति की चर्चा ही नहीं होती है, बल्कि हजारों लोग सिद्ध हो चुके हैं। एक बार फिर आज भी पूरी रात यहां तंत्र साधकों का जमावड़ा लगा रहा। रात भर दूर-दूर से आए साधक मां दुर्गा के सामने अपने तंत्र साधना को सिद्ध करने में जुटे रहे। इसको लेकर एक ओर आयोजन समिति को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, इस साधना को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। हालांकि गुप्त तंत्र सिद्धि करने वाले साधकों ने पूरी पूजा श्मशान में की तथा अंतिम आहुति देने ही मंदिर पहुंचे थे।

नवरात्रि में सभी प्रकार के तंत्र-मंत्र साधक अपने साधना कि सिद्धि करते हैं। ऐसे में प्रख्यात साबर मंत्र साधिका बहुरा मामा की धरती और तंत्र साधकों के बीच बिहार के कामाख्या नाम से प्रसिद्ध बखरी में नवरात्र के पहले दिन से ही स्थानीय लोगों के अलावा बिहार के विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में तंत्र साधक जुटने लगते हैं।

तपस्या और तंत्र साधना कर सिद्धियां प्राप्त की

बखरी को तंत्र साधना का विश्वविद्यालय भी कहा जाता है। यहां की प्रसिद्धि सिर्फ बिहार या भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि नेपाल समेत कई पड़ोसी देशों के तांत्रिक भी यहां सिद्धि प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर की तंत्र-परंपरा को प्रसिद्धि दिलाने में बहुरा मामा नामक एक महान तंत्र साधिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बहुरा मामा को नारी शक्ति का साक्षात रूप माना जाता है। उन्होंने कठोर तपस्या और तंत्र साधना कर सिद्धियां प्राप्त की थीं।

कहा जाता है कि यहां तंत्र साधना का एक विद्यालय भी चलता थी, जिसके चमत्कारी किस्से आज भी बखरी के लोगों की जुबान पर हैं। यहां विशेष निशा पूजा का आयोजन होता है, जिसमें तांत्रिक अपनी साधना पूरी करने के लिए कई मुद्राओं में उपासना करते हैं। रात में आरती पूजा के बाद तंत्र साधकों की विशेष पूजा शुरू होती है। विभिन्न राज्यों से आए सिद्धिकामी माता की पूजा-अर्चना के बाद साधना को सिद्धि में बदलने के लिए लीन रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाराबंकी में युवक की सिर कूचकर हत्या, खंती में फेंकी लाश, पैसे लेने की बात कहकर घर से निकला था

बाराबंकी , एजेंसी। बाराबंकी के देवा कोतवाली की माती चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क किनारे खंती में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विजय (30) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से फैजाबाद के रहने वाले थे। माती गांव में किराए पर रहकर टाइल्स का काम करते थे।जानकारी के मुताबिक, विजय की शादी बड़ागांव गांव की पूजा से हुई थी। उनके दो बेटियां हैं। लक्ष्मी और अनामिका। सोमवार की रात विजय घर से निकला था। पत्नी के अनुसार, वह कहकर निकले थे कि उन्हें किसी से पैसे लेने जाना है। लेकिन वे घर वापस नहीं लौटे।सुबह जब पत्नी पूजा अपने पति की तलाश में सड़क पर निकलीं, तो उन्होंने सड़क किनारे विजय का शव पड़ा देखा। युवक के चेहरे पर गंभीर चोट है। जैसे उसे कूचला गया हो। घटना की जानकारी मिलते ही माती चौकी इंचार्ज अशोक कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। परिजनों को बुलाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देवा के कोतवाल अजय कुमार त्रिपाठी का कहना है कि मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

धमकी देकर बुलाया होटल, युवती से दुष्कर्म का आरोप, रिपोर्ट दर्ज, आरोपी गिरफ्तार कर भेजा जेल

अलीगढ़ , एजेंसी। गभाना क्षेत्र के एक होटल में गोंडा क्षेत्र की 27 वर्षीय युवती से दुष्कर्म की घटना हुई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया।पीड़िता के अनुसार 29 सितंबर को वह अपने गांव के पथवारी मंदिर जा रही थी। रास्ते में सोनू मिल गया। उसने साथ चलने का दबाव डालते हुए भाई के मोबाइल पर फोटो और रिकॉर्डिंग भेजने की धमकी दी। इसके बाद गभाना क्षेत्र के एक होटल में ले जाकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जबरन दुष्कर्म किया।दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता के भाई को कहीं से खबर मिली कि आरोपी ने उसे कमरे में बंद कर रखा है। इस पर भाई ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इस पर गभाना पुलिस पहुंच गई और कमरे से बाहर निकाला।पीड़िता के अनुसार आरोपी सोनू पहले भी उसके साथ छेड़खानी की घटना कर चुका है। वर्ष 2024 में भी उसने सोनू के विरुद्ध गोंडा थाने में छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सीओ संजीव तोमर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। उसे चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पैर में कांटा चुभा या फिर...जिस तरह हुई शख्स की मौत, कांप गए घरवाले; सुबह चारपाई पर में मिली युवक की लाश

कासगंज , एजेंसी। कासगंज के सिढ़पुरा के गांव चांदपुर में सुबह युवक का शव चारपाई पर मिला। रात में सांप के डसने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।गांव चांदपुर निवासी ओमप्रकाश (49) पुत्र गुलजारी लाल रविवार रात को घर पर अकेले सो रहे थे। घर में बिजली न होने के कारण उनके दोनों बेटे देवी सिंह (22) और रूपेश (13) ताऊ के घर पर सो गए थे। बेटे रूपेश ने बताया कि रात में टॉयलेट के लिए उठते समय सांप ने उनके पैर में डस लिया। उन्हें लगा कि पैर में कोई चीज चुभ गई है इसलिए वो वापस जाकर चारपाई पर लेट गए। सोमवार सुबह जब वह चारपाई से नहीं उठे तो पड़ोसियों ने घर जाकर देखा। इस दौरान ओमप्रकाश चारपाई पर बेसुध पड़े थे। परिजन उन्हें सिढ़पुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ओमप्रकाश सोमवार की सुबह 10 बजे परिवार सहित बुलंदशहर स्थित बेलोन माता के दर्शन के लिए जाने की तैयारी कर चुके थे। बेटियों को भी ससुराल से बुला लिया गया था, लेकिन अचानक उनकी मौत से पूरे परिवार की खुशियां मातम में बदल गई। ओमप्रकाश के परिजन ने बताया कि उनकी पत्नी मीना देवी की मौत करीब 12 वर्ष पहले बीमारी के चलते हो गई थी। अब बच्चों के सिर से पिता का भी साया उठ गया। ओमप्रकाश के 5 बच्चे हैं। इनमें तीन बेटियां दीपा (30), देवकी (28) और मोना (26) की शादी हो चुकी है। जबकि दोनों बेटे अविवाहित हैं। परिवार में मां के बाद पिता के निधन से कोहराम मचा हुआ है।

धर्म परिवर्तन गैंग का भंडाफोड़

कैश में होता था सारा लेनदेन, बच्चों का भी कराया गया धर्मांतरण

लखनऊ , एजेंसी। निगोहां के बख्तौरीखेड़ा गांव चल रहे धर्म परिवर्तन के मुख्य आरोपी मलखान ने पत्नी व दो बेटों का भी धर्म परिवर्तन कराया था। पत्नी का नाम तो नहीं बदला, पर दोनों बेटों का नाम भी उसने बदल दिया था। जांच में इस बात का पता चला है कि धर्म परिवर्तन गैंग से जुड़े लोग नकद में लेनदेन करते थे। गैंग से जुड़े कुछ संदिग्धों की तलाश में पुलिस लगी है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि आरोपी के दो बैंक खातों की पूरी डिटेल बैंक से मांगी गई है। सूत्र बताते हैं कि खातों में लेनदेन का रिकॉर्ड चेक किया तो कुछ खास जानकारी हाथ नहीं लगी। जांच में पुलिस को इस बात का पता चला है कि धर्म परिवर्तन गैंग से जुड़े लोग सारा लेनदेन कैश में करते थे, ताकि कोई सबूत न रह जाए। पुलिस को गिरफ्तार किए गए मलखान के मोबाइल फोन से काफी मोबाइल नंबर मिले हैं। पुलिस एक-एक करके उक्त नंबरों के बारे में पता लगा रही है।

धर्मांतरण का शिकार लोगों से पुलिस किया संपर्क

डीसीपी ने बताया कि निगोहां पुलिस को उन 12 लोगों के नाम व पता मिला है, जिनको मलखान ने धर्म परिवर्तन कराया था। पुलिस ने कुछ लोगों से बातचीत भी की है। इस बातचीत के दौरान कुछ अहम जानकारियां हाथ लगी है। चंगाई सभा में मलखान हर बृहस्पतिवार और रविवार को ईसाई संस्था से जुड़े कुछ लोगों को अपने खेत में बने हॉल बुलवाता था। संस्था के लोग ग्रामीणों को बहकाते थे।

बख्तौरीखेड़ा गांव के अलावा तीन और गांव के लोग थे संपर्क में

निगोहां पुलिस के सूत्र बताते हैं कि धर्म परिवर्तन करने वाले गैंग के संपर्क में सिर्फ बख्तौरीखेड़ा गांव के ही नहीं बल्कि छोटीखेड़ा, बदनखेड़ा और समेसी गांव के कुछ लोग भी संपर्क में थे। डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने धर्म परिवर्तन का पहला शिकार अपनी पत्नी व दोनों बेटों को बनाया। पत्नी का नाम तो नहीं बदला, पर बेटों का नाम भी बदल दिया था।

दोस्त को बचाने गए दो साथी, तीनों किशोरों को मनबढ़ों ने जमकर पीटा; 1 की मौत- 2 गंभीर

गोरखपुर , एजेंसी। कस्बे में सोमवार की देर रात सनसनी खेज मामला सामने आया है। मेला देखने आए किशोर की बाइक से एक व्यक्ति को चोट लग गई, जिसके कारण कुछ लोग किशोर को बुरी तरह से पीटने लगे। साथी को पीटता देखा दो किशोर बचाने आए तो उनको भी बुरी तरह पीटा गया।

मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को बचा कर इलाज के लिए अस्पताल लेकर गई। मेडिकल कालेज में 14 वर्षीय आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद निवासी बनकटिया की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल विशाल निषाद और नीतू निषाद का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। घटना के बाद गांव के लोगों में कस्बा के लोगों के प्रति काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सहजनवा थाना क्षेत्र बनकटिया निवासी कुछ सोमवार की रात को बाइक से दुर्गा पूजा का मेला देखने निकले थे। बाइक से अभी कस्बा में पहुंचे थे कि बाइक से एक व्यक्ति को चोट लग गई, जिससे विवाद होने लगा। आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ लोग 14 वर्षीय आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद को बुरी तरह से पीटने लगे।

साथी को पीटता देख अन्य किशोर भी बचाने आए तो उनको भी बुरी तरह से पीटने लगे। किसी ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस गंभीर रूप से घायल आकाश निषाद पुत्र दिलीप निषाद, 15 वर्षीय विशाल निषाद पुत्र विनोद निषाद तथा नीतू निषाद पुत्र कांत निषाद को इलाज के लिए सीएचसी लेकर आई।

हालत गंभीर होने पर तीनों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज पहुंचने पर चिकित्सक ने आकाश निषाद को मृत घोषित कर दिया, जबकि विशाल और नीतू का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना के बाद गांव के लोग आक्रोशित हो गए हैं।

ढाई साल में 11 हजार से अधिक बिजली दुर्घटनाएं, 3,600 लोगों की जान लील गया करंट; आंकड़े चौंकाने वाले

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में करीब ढाई साल में करंट लगने की 11 हजार से अधिक दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 3,606 लोगों की मौतें हुई हैं। मरने वालों में 257 बिजली कर्मी शामिल हैं।

पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और केस्को को मिलाकर मार्च 2023 से 15 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न स्थानों पर करंट से हुई दुर्घटनाओं को लेकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय ने रिपोर्ट तैयार कर ली है।

दुर्घटनाओं में मरने वालों में 257 बिजली कर्मी तथा 3,349 आम नागरिक हैं। 3,825 अग्निकांड में करोड़ों की फसल जली है। 3600 मवेशियों की भी मौतें हुई हैं। ज्यादातर मवेशियों की मौत बिजली के पोल में करंट उतरने, जलभराव में करंट प्रवाहित तार टूटकर गिरने से हुई है।

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करंट से व्यक्ति की मौत पर पांच लाख मुआवजा दिया जाता है। मवेशी की मौत पर उसकी नस्ल के आधार पर राजस्व विभाग रिपोर्ट तैयार करता है। फिर मुआवजा दिया जाता है। विभागीय रिपोर्ट से स्पष्ट है कि साल दर साल बिजली जनित दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

अब प्रीपेड स्मार्ट मीटर के साथ ही मिलेगा नया बिजली कनेक्शन, पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष का फरमान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि नए कनेक्शन की मांग करने वालों को निर्धारित समय में प्रीपेड स्मार्ट मीटर के साथ ही कनेक्शन दिया जाए। इसके लिए टीम बनाई जाए। सभी मुख्य अभियंता (वितरण) हर दिन इसकी समीक्षा करें। इसी तरह निदेशक (वाणिज्य) हर सप्ताह समीक्षा करें।

कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष ने सभी प्रबंध निदेशकों को भेजे गए निर्देश में कहा कि कनेक्शन जारी करने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। जहां पर देरी की शिकायत मिले, उसकी समीक्षा करके देखा जाए कि इसमें लापरवाही किस स्तर पर हुई है। नए कनेक्शन प्रीपेड मोड पर स्मार्ट मीटर लगाकर ही जारी किए जाएंगे।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता खत्म हो : वर्मा : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने नए कनेक्शन के लिए टीम

गठित करने और जल्दी कनेक्शन देने की बात कही है, लेकिन स्मार्ट प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता बरकरार रखी है। यह विद्युत अधिनियम 2003 का उल्लंघन है। परिषद अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की शर्त को अनिवार्य बनाए रखना संविधान और उपभोक्ता अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि बिना किसी पूर्व निर्धारण और मूल्य निर्धारण के ऐसे मीटरों को जबरन थोपने की प्रक्रिया तुरंत बंद की जाए।

फ्रेंचाइजी के जरिए निजीकरण की नई रणनीति : समिति : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिक राजस्व देने वाले शहरों में वितरण क्षेत्र को फ्रेंचाइजी के जरिए निजी घरानों के देने की योजना बनाई जा रही है। यह योजना ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन की है। इससे निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा। संघर्ष समिति हर स्तर पर इसका विरोध करेगी।

दिवाली से पहले सभी जिलों में लगेगा स्वदेशी मेला

हस्तशिल्पी... उद्यमियों और कारीगरों को मिलेगा बड़ा मंच

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्तशिल्पियों, उद्यमियों और कारीगरों को बड़ा मंच देने के लिए इस वर्ष दिवाली से पहले पूरे प्रदेश में स्वदेशी मेला आयोजित करने की घोषणा की है। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार राज्य के सभी जिलों में लगभग 9 से 10 दिन का व्यापार मेला आयोजित होगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के बैनर तले होगा और उसके नीचे स्वदेशी मेला लिखा जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए लोकल टू वोकल मंत्र को आत्मसात करना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सकेगा : उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन यूनिटी मॉल (लखनऊ, वाराणसी और आगरा) की स्थापना केंद्र सरकार के फंडिंग से शुरू हो चुकी है। सचान ने कहा कि राज्य सरकार की योजना है कि सभी 75 जिलों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जाएं। ताकि, हर जिले का उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सके।

स्थानीय उत्पादों को मिलेगी प्राथमिकता

एमएसएमई मंत्री ने बताया कि अब तक इस तरह के मेले 18 मंडलों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पूरे प्रदेश में विस्तार किया गया है। इन मेलों का शुभारंभ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मंत्री और विधायक करेंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी। अगले वर्ष 25 से 29 सितंबर 2026 को यूपीआईटीएस के चौथे चरण का आयोजन और भी वृहद पैमाने पर किया जाएगा।

खराबी आई तो स्विट्जरलैंड से रोपवे ठीक कर देंगे इंजीनियर

वाराणसी , एजेंसी। रोपवे के 38 टावर पर 228 सेंसर लगाए जा चुके हैं। इनका काम गंडोला की निगरानी है। गंडोला किस टावर से गुजर रहा है, उसकी गति कितनी है, अगले स्टेशन से कितनी दूर है। इसके पैनल में कहीं कोई दिक्कत आती है तो स्विट्जरलैंड में बैठे विशेषज्ञ इसे वहीं से ही ठीक कर देंगे। रोपवे की सुरक्षा संबंधी अन्य जानकारियां भी सेंसर के माध्यम से मिलती रहेंगी। कंट्रोल रूम से तो इसका नियंत्रण होगा।

रोपवे की केबल कार की सुरक्षा जांच के लिए एक्सपर्ट कई तकनीक इस्तेमाल कर रहे हैं। पहले गति कम रखी जा रही है, फिर मानक के अनुरूप उसे बढ़ाया जा रहा है। ब्रेकिंग सिस्टम की जांच हो रही है। बिजली गुल करने के बाद देखा जा रहा है कि जिस पॉइंट पर गंडोला को रुकना चाहिए था, वहां रुका है या नहीं। रोपवे कॉरिडोर को स्काडा सिस्टम (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) के दायरे में लाया गया है।

रोपवे स्टेशनों पर 24 घंटे चिकित्सकीय सुविधा, एंबुलेंस भी रहेगी।अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का रोपवे के संचालन में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। रोपवे प्रोजेक्ट के अंतर्गत सभी प्रमुख स्टेशनों (कैंट, काशी विद्यापीठ, रथयात्रा और गोदौलिया) पर मेडिकल रूम, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध होगी। आपात स्थिति में यात्रियों को फर्स्ट ऐड प्रदान करने के लिए सुविधाएं स्टेशन पर रहेंगी। साथ ही नजदीक के हॉस्पिटल से भी टाई-अप रखना प्रस्तावित है।

यूपी में 741 बसों में चल रही हैं सिर्फ 482, डिपों में खड़ी हैं 259 लग्जरी गाड़ियां

लखनऊ , एजेंसी। रोडवेज की 259 लग्जरी एसी बसें खराब हालत और चालकों की कमी के कारण डिपो में खड़ी हैं, जिससे करीब 45 हजार यात्री रोजाना असुरक्षित डग्गामार प्राइवेट बसों पर निर्भर हैं। रोडवेज की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि 741 बसों के बेड़े में से केवल 482 बसें ही सड़कों पर चल पाती हैं। इसमें अयोध्या परिक्षेत्र की स्थिति सबसे गंभीर है, जबकि लखनऊ दसवें नंबर पर है। पुराना बेड़ा, मरम्मत में लापरवाही और चालकों के अभाव में सड़क पर बसें नहीं उतर रही हैं, लेकिन कुछ परिक्षेत्रों का प्रदर्शन अब भी सराहनीय है।

रोडवेज में लखनऊ परिक्षेत्र समेत कुल 19 परिक्षेत्र हैं। इनमें 741 एसी बसों का बेड़ा है। इनके संचालन को लेकर रोडवेज प्रशासन की ओर से रिपोर्ट तैयार की गई, जिसमें खुलासा हुआ है कि 741 बसों में से सिर्फ 482 एसी बसें ही सड़कों पर उतर सकी हैं। 259 बसों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यानी कुल 34.95 फीसदी बसें ऑफरूट रही हैं। इन बसों को सड़कों पर नहीं उतारे जाने के पीछे कई वजहें हैं। इसका लाभ डग्गामार बसें उठा रही हैं। प्रतिदिन लखनऊ सहित प्रदेशभर में करीब 45 हजार यात्री डग्गामार प्राइवेट बसों के सहारे सफर कर रहे हैं।

अयोध्या की स्थिति सबसे खराब, लखनऊ 10वें नंबर पर : रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या की हालत सबसे खराब है। यहां कुल एसी बसों की संख्या 13 है, जिसमें चार बसें ही चल सकीं जबकि नौ खराब खड़ी रहीं। दूसरे नंबर पर सहारनपुर है, जहां 48 बसों में से 25 बसें चलीं, गाजियाबाद में 78 बसों में 42 ही चलाई जा सकीं। मेरठ में 19 बसों में 11, वाराणसी में 36 बसों में 21 तथा गोरखपुर में 61 में 36 बसें ही चलीं। लखनऊ दसवें नंबर पर है। यहां कुल बसों की संख्या 141 है, जिसमें 97 एसी बसें ही चलाई जा सकीं, 44 डिपो में खड़ी रहीं।

इनका प्रदर्शन सराहनीय : सबसे अच्छा प्रदर्शन इटावा परिक्षेत्र का रहा, जिसकी दोनों बसें चलती मिलीं। झांसी परिक्षेत्र की आठ बसों में सात चलीं व एक बंद रही। चित्रकूट व आजमगढ़ में 12-12 एसी बसें हैं, जिसमें दस-दस चलती मिलीं। रोडवेज के एमडी की ओर से इन परिक्षेत्रों के अफसरों की सराहना की गई।

इसलिए डिपो से नहीं निकलती बसें : अधिकारी बताते हैं कि रोडवेज की एसी लग्जरी बसें खस्ताहाल हैं। बेड़ा पुराना है, जिससे आए दिन बसें खराब रहती हैं। दूसरे, कई परिक्षेत्रों में बसों की मरम्मत निजी एजेंसियों को दी गई है, जहां मेंटीनेंस में लापरवाही बरती जाती है। इसके अतिरिक्त चालकों का अभाव भी एक वजह है।

करंट लगने से राज मिस्त्री की मौत, शव छोड़कर भागा ठेकेदार

आगरा , एजेंसी। आगरा के राजामंडी के एक मकान में काम कर रहे राजमिस्त्री सईद (35) की रविवार शाम करंट लगने से मौत हो गई। पता चलने पर ठेकेदार शव छोड़कर भाग गया। साथी मजदूरों ने लोहामंडी थाने की पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।पुलिस के मुताबिक, सईद जीवनी मंडी निवासी थे। वह पत्नी और तीन बच्चों के साथ ससुराल में रह रहे थे। परिजन ने बताया कि सईद साथी मजदूरों के साथ राजामंडी में काम पर गए थे। साथी मजदूरों ने पुलिस को बताया कि सईद मकान की छत पर कार्य कर रहे थे। वहां एक बल्ब लटका था जो काम करने में दिक्कत दे रहा था।सईद उसे ऊपर करने लगे तभी करंट की चपेट में आ गए। छत से नीचे गिरकर उनकी मौत हो गई। साथी मजदूरों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

ट्रैवल फोटोग्राफी कैमरे में कैद करो संसार

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

जिन युवाओं को नौ से पांच ड्यूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी ?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहा की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैग्जीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा।

इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैग्जीस, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती है, उसके मद्देनजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनीकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

आप हायर सेकेंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती है।

बहुत है स्कोप

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वॉलिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के रूप में भी आप काम शुरू कर सकते हैं।

क्लाइंट की इमेज चमकाएगी आपका करियर

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम ?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्युनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सेल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि कल्चर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टेबल महसूस कर सके।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरेक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरेक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

सैलरी कितनी ?

इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है। अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- इंस्टीट्यूटी कैलगारी, मुंबई
- फरस्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर
- स्टर्लिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई
- इमेज, स्टाइल एंड एटिकेट कंसल्टेंट, गुड़गांव

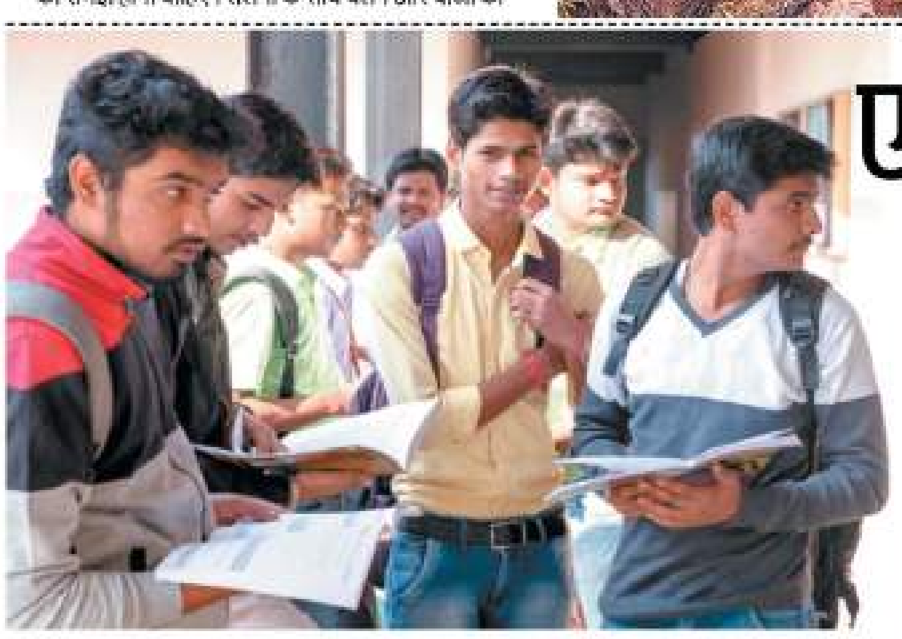

एडमिशन से पहले करें यह होमवर्क

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क' भी कह सकते हैं।

स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी पढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

चयन का फॉर्मूला

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मिलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

किसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फरस्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई नहीं दे पाएगा।

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहां अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनानाह है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही डिजिटल इंडियाद्ध और स्किल इंडियाद्ध जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और सेवा भावद्ध को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एशिया कप में विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी-20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं, इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच को फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्त्वपूर्ण मौकों पर धड़कनों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात रही तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है, तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्त्व को जानता है, इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दर्शाते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

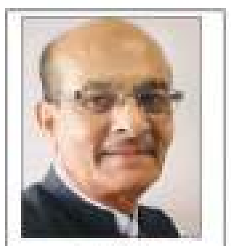

सन्त जैन

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर...

दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुड़ा वर्ग महज 1[illegible] प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का सारा पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है।

पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉर्पोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबोंखरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बड़ी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई और बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी,

उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही हैं। राजनेताओं और कॉरपोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कार्पोरेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूंजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसेः असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है।

शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुजुर्गों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बगैर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब यही फुटपाथ एवं पार्किंग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क हादसों में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षों में ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जब स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा है।

वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की अवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों की अपने ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना व्यापारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लापरवाह हो चुकी है कि पार्किंग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और टपाथों पर खड़ी कर दी जाती हैं।

आवासीय क्षेत्रों में यह रहवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किंग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन

देश में पैदल राहगीरों के लिए सड़क किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है।

पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्त्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

स्विमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थीं। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थी। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्विमसूट पहने कई एआई -जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साधा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे है। क्लिप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते है क्वीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्विमसूट पहना था, ये सब है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंदू मोंडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

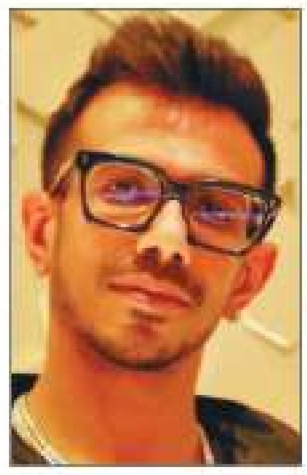

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।

चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बातें करती दिख रही है। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमति से था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।'आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनों के रिश्ते में दरार पड़ने लगी और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

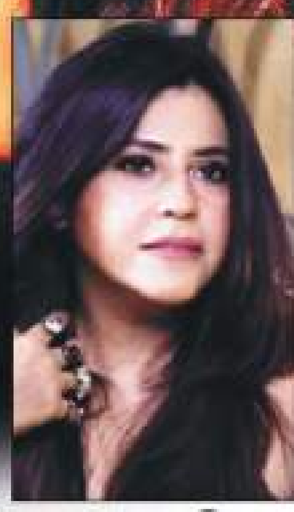

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।

अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती है, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'के ड्रामा' की (क्योंकि_ जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'

देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जैन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया

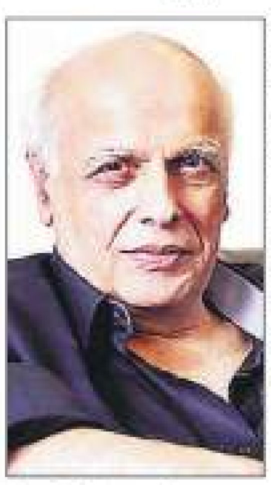

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साल 2012 में हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद ये हाइवे, 2 स्टेट्स, हम्पी शर्मा की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों कहा हिस्सा बनी। साल 2015 में उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बॉक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था।

कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी।

यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थी कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अन्विता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

तृप्ति का करियर ग्राफ

तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनू और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती है जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफी लोकप्रिय रहे और इसके बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा। आज वह एक सफल उद्यमी माने जाते हैं। उनकी लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। यही वजह है कि जब तृप्ति और सैम को साथ देखा गया तो दोनों के रिश्ते की अटकलें तेज हो गईं।

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते है। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते है, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती है।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी मस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 मे रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरोजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेव्बैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेव्बैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतना ही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

चीन ओपन: कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिनर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लेर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इगा स्विवाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्विवाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्विवाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्विवाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफसोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती है। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्विवाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रहीं और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तबाड़तोड़ बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नामेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरूरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अगर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छेड़ो। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारूप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबको सहारा करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग- चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे।

उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (पेरिस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राजील के अनुभवी एथलीट क्लाउडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्जोन्निस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हराकर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी। काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर की पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर की पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भुलनपुर के मड़ौली निवासी प्रियंका के पिता कौ किसान है उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंने यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आरसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है—यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेश: सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।' उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प पोर्टलैंड में सैनिक तैनात करेंगे, कहा- आतंकियों से निपटना मकसद

पोर्टलैंड , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को कहा वह ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में सैनिक भेजेंगे और जरूरत पड़ने पर घरेलू आतंकवादियों से निपटने के लिए पूर्ण सैन्य बलों को भेजेंगे। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा - 'पोर्टलैंड एंटीफा और अन्य घरेलू आतंकवादियों के हमले की चपेट में है। इसीलिए पोर्टलैंड की रक्षा के लिए हम सैनिक भेज रहे हैं। यह कदम अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट फैसिलिटी की सुविधाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है।' ओरेगन की डेमोक्रेटिक गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ट्रम्प अपने अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पोर्टलैंड बिल्कुल ठीक चल रहा है, इसीलिए शहर में किसी सैन्य हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। साथ ही जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी ट्रम्प के इस फैसले पर सवाल उठाए। हालांकि, ट्रम्प पहले भी लॉस एंजिल्स आदि शहरों में सैनिकों को तैनात कर चुके हैं। जबकि शिकागो में भी नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी थी।

उत्तरी नाइजीरिया के खदान में हादसा, 18 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रविवार को विश्व आयुर्वेद दिवस मनाया। इस दौरान राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने अमेरिका में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता और इसके समग्र दृष्टिकोण के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व आयुर्वेद दिवस मनाते हुए हमने आयुर्वेद के समय-परीक्षित सिद्धांत के संतुलित पोषण, समग्र स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के मार्गदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि न्यूट्रिशन 360 का शुभारंभ सचेतन और साक्ष्य-आधारित पोषण को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख पहल है।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदुओं ने विधि विधान से शुरू की दुर्गा पूजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदु समाज ने रविवार को मुख्य दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत की। दुर्गोत्सव से पहले हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना के मद्देनजर एहतियातन पूरे देश में दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों तैनात किया गया है। राजधानी ढाका के ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में ढोल, जयकारे, शंख और मंदिर की घंटियों के बीच श्रद्धालु देवी दुर्गा का स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े। मामूली बाधाओं के बीच महाषष्ठी के दिन देवी के चेहरे के अनावरण के साथ उत्सव का पहला दिन हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। बताते चलें कि हालिया ही उपद्रवियों ने कुश्तिया जिले के मीरपुर उपजिले के स्वरूपदाह पालपाड़ा श्री श्री राधा काली मंदिर में तोड़फोड़ की थी। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा हिंदुओं का सबसे बड़ा धार्मिक त्योहार है।

अफगान जेल से एक अमेरिकी नागरिक रिहा

काबुल, एजेंसी। तालिबान ने रविवार को एक अमेरिकी नागरिक को अफगान जेल से रिहा कर दिया। कुछ हफ्ते पहले तालिबान ने कहा था कि संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के तहत कैदियों की अदला-बदली पर अमेरिकी दूतों के साथ उनका समझौता हो गया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने उस व्यक्ति की पहचान आमिर अमीरी के रूप में की। उन्होंने यह नहीं बताया कि अमीरी को कब, क्यों या कहां हिरासत में लिया गया था।

ट्रंप मंगलवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वर्जीनिया स्थित क्वांटिको मरीन कॉर्प्स बेस में शीर्ष सैन्य नेताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र के अनुसार, बैठक में सैकड़ों जनरल और एडमिरल और उनके प्रमुख सलाहकार बुलाया गया है। रक्षा मंत्री पीट हेजसेथ ने इस बैठक के लिए बहुत कम समय में नोटिस जारी किया। पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि हेजसेथ अगले सप्ताह अपने वरिष्ठ सैन्य नेताओं को संबोधित करेंगे।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के बाद बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा, तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी इलाके खगराछरी में रविवार को आदिवासियों और बंगाली समुदाय के बीच हिंसा भड़क गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह झड़पें एक आदिवासी स्कूली छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद शुरू हुई। पुलिस ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के घरों और दुकानों में आग लगा दी। हिंसा में 13 सेना के जवान और तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

नेपाल के बाद पेरू में जेन -जी प्रदर्शन:भ्रष्टाचार और पेंशन सुधार को लेकर सड़कों पर उतरे

लीमा, एजेंसी। नेपाल के बाद अब दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के जेन -जी भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 27 सितंबर को राजधानी लीमा में हजारों युवाओं ने राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के खिलाफ नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया, जिसके जवाब में युवाओं ने पथराव किया। दरअसल, ये विरोध 20 सितंबर को पेंशन प्रणाली में किए गए बदलावों के बाद शुरू हुए। नए नियम के अनुसार, पेरू में 18 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को किसी न किसी पेंशन कंपनी से जुड़ना होगा। इसके अलावा राष्ट्रपति बोलुआर्ते और संसद के खिलाफ लंबे समय से जनता में असंतोष बना हुआ है। जेन -जी ने इन प्रदर्शन के लिए फेमस जापानी एनिमे वन पीस के कैरेक्टर लूफी को अपना रोल मॉडल बनाया है। ये कैरेक्टर न्याय के लिए लड़ता है।

पेंशन योजना में बदलाव : यहां, भ्रष्टाचार, आर्थिक असुरक्षा, बढ़ता अपराध और जवाबदेही की कमी ने युवाओं को नाराज किया है। 2022 में पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्तिलो को हटाए जाने और गिरफ्तार किए जाने के बाद, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दर्जनों प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। इस पर भी सरकार से सवाल किया जा रहा है। पेरू सरकार ने हाल ही में पेंशन सिस्टम में बदलाव किया है। पहले लोग चाहें तो पेंशन योजना से जुड़ सकते थे, लेकिन यह अनिवार्य नहीं था। अब सरकार ने नियम बना दिया है कि पेरू में जो भी नागरिक 18 साल की उम्र पूरा कर लेगा, उसे किसी न किसी पेंशन प्रदाता कंपनी/संस्था से जुड़ना होगा। यानी कोई भी वयस्क इस सिस्टम से बाहर नहीं रह सकता। पेंशन प्रदाता ये निजी या सरकारी संस्थान होते हैं जो लोगों से हर महीने एक तय रकम जमा कराते हैं। रिटायरमेंट या बुढ़ापे में वही पैसा पेंशन के रूप में वापस मिलता है। पेरू की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, देश की 27 आबादी 18 से 29 साल की उम्र के बीच है। ये युवा इस आंदोलन की रीढ़ हैं।

लोग नाराज क्यों हैं?

कई लोगों को लगता है कि यह जबरन वसूली जैसी है। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, ऐसे में वे पेंशन के लिए पैसे कहां से जमा करेंगे? पेंशन प्रदाता संस्थाओं में पहले से ही भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें हैं। लोग चाहते हैं कि यह उनकी इच्छा पर निर्भर हो, मजबूरी न बने। लोगों का कहना है कि सरकार को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, न कि जबरन पेंशन योजना थोपनी चाहिए।

अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाए बिना भारत और ब्राजील को अपने बाजार खोलने की जरूरत - लुटनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि अमेरिका को ब्राजील और भारत जैसे देशों को सही दिशा में लाना पड़ेगा। उनका कहना है कि इन देशों को अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदमों से बचते हुए अपने बाजार खोलने की जरूरत है। लुटनिक ने एक साक्षात्कार में कहा, हमें स्विट्जरलैंड, ब्राजील, भारत जैसे कई देशों को फिक्स (सही दिशा में) करना है। ये देश अमेरिका के प्रति सही तरह अपनाएं, अपने बाजार खोलें और ऐसे कदम उठाना बंद करें जो अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हम इनके साथ विवाद में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आप अमेरिकी उपभोक्ताओं को अपने सामान बेचना चाहते हैं, तो आपको राष्ट्रपति के साथ सहयोग करना होगा। लुटनिक ने भारत और ब्राजील के अलावा ताइवान और स्विट्जरलैंड जैसे देशों का भी जिक्र किया।

मिशिगन के चर्च में गोलीबारी, चार की मौत, आठ लोग घायल; हमलावर ढेर, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रैंड ब्लैंक्स इलाके में चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (मॉरमोन चर्च) में खौफनाक हमला हुआ। यहां एक हमलावर ने चर्च में टक्कर मारकर ट्रक अंदर घुसा दिया फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हालांकि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। रविवार सुबह करीब 10-25 बजे हुए इस हमले से चर्च परिसर में अफरातफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और आठ मिनट में हमलावर को मार गिराया। चर्च में गोलीबारी को अंजाम देने वाले हमलावर की पहचान 40 वर्षीय थॉमस जैकब सैनफोर्ड के रूप में हुई है, जो पास के शहर बर्टन का रहने वाला था। उसके पास हथियारों के साथ गैस और संदिग्ध विस्फोटक भी मिले। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने विस्फोटक का इस्तेमाल किया या नहीं। एफबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इतना ही नहीं इस हमले के बाद आसपास के कुछ अन्य चर्चों में भी बम धमकी मिली, हालांकि जांच करने के बाद वहां कुछ नहीं मिला। फिलहाल इलाके में तनाव है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें मिशिगन गोलीबारी की जानकारी दी गई है। यह हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए। मैंने एफबीआई की तेज कार्रवाई पर उन्हें बधाई दी है। वहीं, मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने कहा कि चर्च में हिंसा अस्वीकार्य है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो यह घटना उस वक्त हुई जब चर्च में कार्यक्रम चल रहा था, जिससे वहां भारी भीड़ थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी की वजह क्या थी और हमलावर ने ऐसा क्यों किया। पुलिस और जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं।

चीन के पूर्व कृषि मंत्री को मौत की सजा, 317 करोड़ रुपए की रिश्वत ली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पूर्व कृषि तांग रेनजियान को रविवार को भ्रष्टाचार मामले में मौत की सजा सुनाई गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तांग को 2007 से 2024 तक अलग-अलग पदों पर रहते हुए 317.3 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और संपत्ति रिश्वत के रूप में ली। हालांकि,उन्हें दो साल की मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तांग को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि तांग की सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और रिश्वत से जमा किए धन को वसूल कर राष्ट्रीय खजाने में जमा कर दिया जायेगा। कोर्ट ने कहा कि इस रिश्वत से देश और जनता के हितों को भारी नुकसान हुआ, इसलिए तांग को मौत की सजा दी गई। तांग ने अपने अपराध कबूल किए और पछतावा जताया। यह सजा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है, जिसमें कई बड़े नेता सजा पा चुके हैं। समर्थकों का कहना है कि यह मुहिम स्वच्छ शासन को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचक इसे शी के राजनीतिक विरोधियों को हटाने का हथियार मानते हैं। तांग इससे पहले गांसु प्रांत के गवर्नर और गुआंगशी स्वायत्त क्षेत्र के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके बाद पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगफू और वेई फेंघे भी भ्रष्टाचार के जांच के दायरे में आ गए हैं।

अमेरिका में शटडाउन का बढ़ा खतरा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव; व्हाइट हाउस में होगी अहम बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार के शटडाउन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों पक्ष अपने रवैये पर अड़े हुए हैं और अब तक किसी भी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर मंगलवार रात तक अस्थायी फंडिंग बिल पारित नहीं हुआ, तो देशभर में कई सरकारी दफ्तर अस्थायी रूप से बंद हो जाएंगे। यानी जो कर्मचारी आवश्यक सेवा में नहीं आते, उन्हें बिना वेतन पर छुट्टी पर भेज दिया जाएगा, जिससे आम लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ेगा। इसे शटडाउन कहा जाता है। रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि सरकार की फंडिंग फिलहाल जैसी है, वैसी ही जारी रहे। लेकिन डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कुछ अहम मांगें सरकार से मनवाना चाहते हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, यह बैठक केवल एक शुरुआत है, लेकिन हमें गंभीरता से बातचीत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बैठक के लिए सहमति दी है। इस बैठक में चक शूमर, सीनेट के नेता जॉन थ्यून, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज भी शामिल होंगे। हालांकि, ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो इस हफ्ते शटडाउन तय है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, शटडाउन करना पड़े तो करेंगे। लेकिन शटडाउन कराने वाले वे (डेमोक्रेट्स) लोग हैं। ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेट्स पर दबाव बना रहा है कि वे अपनी मांगें छोड़ें, क्योंकि अगर फंडिंग रुकती है तो कई सरकारी कर्मचारियों की स्थायी रूप से नौकरी जा सकती है। रिपब्लिकन नेता थ्यून ने रविवार को कहा, चक शूमर ने कुछ महीने पहले ही कहा था कि अगर सरकार का शटडाउन होता है तो इससे बहुत समस्या होगी। सबकुछ अराजक हो जाएगा, नुकसान होगा और लोग परेशान होंगे। शूमर की बात सही थी। इसलिए हमें सरकार शटडाउन से बचाना चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स का मानना है कि बैठक के लिए ट्रंप की सहमति दिखाती है कि उन पर बातचीत का दबाव है। उनका कहना है कि चूंकि व्हाइट हाउस और कांग्रेस दोनों रिपब्लिकन पार्टी के हाथ में है, इसलिए अगर सरकार का शटडाउन हुआ तो लोग ट्रंप और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराएंगे। लेकिन अपनी शर्तें मनवाने के लिए डेमोक्रेट्स को मंगलवार को उस अस्थायी फंडिंग बिल के खिलाफ वोट देना होगा, जिससे सरकार सात और हफ्तों तक चल सकती है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए असहज स्थिति है, क्योंकि वह हमेशा शटडाउन का विरोध करती रही है। यह बिल पहले ही रिपब्लिकन के नियंत्रण वाले हाउस में से पारित हो चुका है और इसे सीनेट में पारित करने के लिए कम से कम साठ वोट चाहिए। इसका मतलब है कि कम से कम आठ डेमोक्रेटिक पार्टी के सासंदों को बिल का समर्थन करना होगा।

न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस से हटे मौजूदा मेयर एरिक एडम्स, जोहरान ममदानी के चुनावी अभियान पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स चुनावी रेस से हट गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर एरिक एडम्स ने अपना नाम वापस लेने का एलान किया। एरिक एडम्स ने जनवरी 2022 से न्यूयॉर्क मेयर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वीडियो में एरिक एडम्स ने न्यूयॉर्क वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका मेयर होना मेरे लिए गर्व की बात रही।

एरिक एडम्स की लोकप्रियता में आ रही थी लगातार गिरावट : एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने की चर्चाएं कई महीनों से चल रही थीं। इसकी वजह एरिक एडम्स की लगातार गिरती लोकप्रियता थी। विभिन्न पोल्स में दिखाया गया कि एरिक एडम्स अन्य उम्मीदवारों से पिछड़े हुए थे और साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भी उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। एरिक एडम्स को ट्रंप प्रशासन से नजदीकियों के चलते भी डेमोक्रेट समर्थकों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था।

बीते दिनों ऐसी खबरें भी आई थी कि ट्रंप सरकार एरिक एडम्स को सऊदी अरब में अमेरिका का राजदूत नियुक्त कर सकती है। हालांकि उस वक्त एरिक एडम्स ने उन चर्चाओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि वह न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर काम करने के लिए समर्पित हैं। साल 2025 की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग ने एरिक एडम्स के खिलाफ भ्रष्टाचार के संघीय आरोपों को भी खत्म कर दिया था। एरिक एडम्स पर आरोप लगे थे कि उन्होंने विदेशी दानदाताओं से गलत तरीके से उपहार स्वीकार किए। एरिक एडम्स को तुर्किये की सरकार की तरफ से भी उपहार मिले थे। जोहरान ममदानी के चुनाव अभियान पर होगा असर एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने के बाद भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों अपने एक बयान में सुझाव दिया था कि अगर जोहरान ममदानी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच सीधी टक्कर होती है तो उसमें कुओमो के जीतने की संभावना ज्यादा है। ट्रंप ने कहा था कि कई उम्मीदवारों के होने से ममदानी को फायदा मिलेगा। अब जबकि एरिक एडम्स रेस से हट गए हैं तो माना जा रहा है कि इससे ममदानी की मुश्किल बढ़ सकती है।

यूक्रेन में रूस की भीषण बमबारी, 4 की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 595 ड्रोन व 48 मिसाइलें दागीं। इस भीषण हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी कीव में हुआ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इन हमलों पर आक्रोश जताते हुए कहा कि रूस युद्ध जारी रखना चाहता है। जेलेंस्की बोले, पूरी दुनिया को रूस पर सख्त दबाव बनाना चाहिए। इन हमलों के कारण पोलैंड को उसकी राजधानी वारसॉ के दक्षिण में वायुक्षेत्र को बंद करना पड़ा। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तइमुर तकाचेंको ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिये हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शहर भर के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर हमले किए गए। शहर के केंद्र के पास हुए विस्फोट से घना काला धुआं उठते देखा जा सकता था। 28 सितंबर की रात को रूस ने यूक्रेन पर 643 ड्रोन और मिसाइलें दागी, जिनमें क्लस्टर बम भी शामिल थे. कीव में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. यहां 4 लोग मारे गए और कई घायल हो गए. स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं ने इसे रूस का सबसे बड़ा हमला बताया. कीव के अलावा अन्य शहरों पर भी हमले हुए. यूक्रेन की सेना ने कई ड्रोन और मिसाइलें रोकीं, लेकिन नुकसान बड़ा हुआ. यह हमला यूक्रेन के हालिया हमलों का जवाब माना जा रहा है. यूक्रेन ने रूस के तेल और गैस प्लांट्स पर ड्रोन से हमला किया था. पुतिन ने कहा कि यह यूक्रेन की आक्रामकता का परिणाम है. इजरायल ने अप्रैल 2024 में ईरान के दूतावास पर हमला किया था. फिर अक्टूबर में ईरान के सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए, ये हमले अचानक, टारगेटेड और कम नुकसान वाले थे. पुतिन की रणनीति भी वैसी ही लग रही है - ड्रोन और मिसाइलों से दूर से हमला, बिना जमीनी घुसपैठ के. दोनों ही मामलों में मकसद दुश्मन को कमजोर करना और चेतावनी देना था. लेकिन फर्क यह है कि इजरायल-ईरान तनाव सीमित रहा, जबकि यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच गया है. विशेषज्ञ कहते हैं कि रूस का यह हमला यूक्रेन के नेतृत्व को तोड़ने की कोशिश है. ईरान-इजरायल संघर्ष ने दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा दिया था, जिसका फायदा रूस को मिला. फरवरी 2022 से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया. पुतिन इसे सोवियत संघ की गलती सुधारने का मौका मानते हैं. लेकिन यूक्रेन ने हार नहीं मानी. हाल ही में यूक्रेन ने डोनेत्स्क के कुछ हिस्से वापस ले लिए, रूस ने दिन में भी ड्रोन हमले शुरू किए।

राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं, पूर्व क्स्केपी शर्मा पीएम ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएलके प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन युवा संघ नेपाल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं है और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और संविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास बलुवातार खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित

करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूछा, सोशल मीडिया पर खुलेआम मेरे घर पर हमले की बातें हो रही हैं। सरकार क्या कर रही है? केवल देख रही है? उन्होंने उन रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई, जिनमें कहा जा रहा है कि सरकार उनके साथ ही नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खड़का के पासपोर्ट जब्त करने का फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाकर देश को असुरक्षा की स्थिति में धकेल रही है। जेन-जेड के विरोध के दूसरे दिन ही ओली की सरकार गिर गई थी। मानवाधिकार संगठनों ने ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक को विरोध के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने का जिम्मेदार ठहराया है, जिससे दर्जनों लोगों की मौत हुई थी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार प्रदर्शन की तीव्रता का अनुमान नहीं लगा सकी और सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा हुआ है। जिसके कारण भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति हुई। रिपोर्ट मे यह भी बताया गया कि आठ सितंबर को विरोध शांतिपूर्ण रहा। लेकिन अगले दिन पुलिस की ओर से गोली चलने के बाद हिंसा भड़क उठी।

जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान भागे 7700+ कैदी नेपाल की जेलों में वापस : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर के हिरासत केंद्रों से कुल 14,558 कैदी भाग गए थे। जेल प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 7,735 कैदी अपनी-अपनी जेलों में लौट आए हैं। जबकि, सुरक्षा बलों के साथ झड़प में 10 कैदियों की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे हैं, जबकि अन्य को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, 6,813 कैदी अभी भी विभिन्न जेलों से फरार हैं। सरकार ने इन कैदियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को ड्रग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने रिया चक्रवर्ती को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की जमानत की शर्तों को कम कर दिया है। आरोप है कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से पहले, रिया और उनके भाई अक्सर विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से हशीश और गांजा जैसे नशीले पदार्थ मंगवाते थे। इस मामले में उन्हें 2020 में गिरफ्तार किया गया था। जमानत देते हुए, निचली अदालत ने शर्त लगाई थी कि रिया चक्रवर्ती विशेष न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकतीं। इस शर्त में ढील दी गई है। दरअसल रिया चक्रवर्ती के वकील ने हाईकोर्ट में इस बाबत दलील दी। उन्होंने कहा कि उन्हें (रिया चक्रवर्ती) काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ता है और पूर्व अनुमति मिलने में देरी के कारण उन्हें काम छोड़ना पड़ता है। इस वजह से उन्हें आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा है। अदालत को यह भी बताया गया कि इस मामले में आठ सह-आरोपियों को भी राहत दी गई है। उधर विरोधी वकीलों ने आपत्ति जताई कि रिया चक्रवर्ती को विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि वह एक सेलिब्रिटी हैं। वह देश वापस नहीं लौट सकती हैं। भागने का खतरा है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, रिया चक्रवर्ती ने अब तक मामले में सहयोग किया है और उन पर लगाई गई जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। ट्रायल कोर्ट की अनुमति से यात्रा करने पर वह देश वापस आ सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा, विदेश यात्रा से कम से कम चार दिन पहले एजेंसी को सूचित किया जाना चाहिए। पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यात्रा कार्यक्रम में उनके होटल और फ्लाइट की जानकारी होनी चाहिए। उनका फोन हर समय चालू रखने का भी निर्देश दिया गया है।

सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने वाला दबोचा

गाजियाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। गाजियाबाद के लोनी में उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले युवक ने मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वहीं लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है। तिलक राम कॉलोनी निवासी मोहन शर्मा ने उत्तरांचल विहार सोसायटी निवासी सैफ के खिलाफ प्रदेश के मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर धमकी भरे गाने के साथ फेसबुक आईडी पर वायरल करने की शिकायत पुलिस से की। शिकायत में बताया कि आरोपी ने क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने के नीयत से सोशल मीडिया पर फोटो वायरल की है। एसीपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

मुंबई-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से मच गया हड़कंप, दिल्ली एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार सुबह मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। फ्लाइट संख्या 6ई 762 में करीब 200 यात्री सवार थे। सुरक्षा एजेंसियों को यह धमकी अस्पष्ट लगी, लेकिन सूचना मिलते ही एहतियातन दिल्ली एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल (फुल इमरजेंसी) घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह उड़ान एयरबस ए321 नियो विमान से संचालित हो रही थी। जानकारी अनुसार, विमान को सुबह लगभग 7:53 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड कराया गया। इस संबंध में इंडिगो इंडिगो एयरलाइन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, कि 30 सितंबर 2025 को मुंबई से दिल्ली की उड़ान 6ई 762 में सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिली। स्थापित प्रोटोकॉल के तहत तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और विमान को परिचालन की मंजूरी देने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच की गई।

आपात स्थिति में क्या हुआ?

जैसे ही धमकी की खबर मिली, एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। रनवे, ग्राउंड स्टाफ, सीआईएसएफ, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी को अलर्ट कर दिया गया। विमान लैंड होते ही यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। इसके बाद बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड ने विमान और यात्रियों के सामान की गहन जांच शुरू की। हालांकि, राहत की बात यह रही कि विमान और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब धमकी के स्रोत और उसकी विश्वसनीयता की जांच में जुटी हैं।

असम में जुबिन गर्ग की मौत पर एफआईआर? मुख्यमंत्री की पत्नी समेत कई बड़े नाम शामिल

गुवाहाटी (एजेंसी)। मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में असम में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गायक के करीबी मित्र अंकुर हजारिका ने 27 सितंबर को गुवाहाटी के वशिष्ठ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा शर्मा की पत्नी रिंकी भुयन शर्मा, टीवी एंकर अनंय गोस्वामी समेत कई प्रभावशाली लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुबिन गर्ग की मौत वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और कथित साजिश से जुड़ी है। दर्ज आवेदन में भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं का हवाला देते हुए कहा गया, शिकायत में दर्ज लोगों की साजिश, लापरवाही और षड्यंत्र के चलते गर्ग की जान गई है। जुबिन गर्ग का निधन हाल ही में सिंगापुर में संदेहास्पद हालत में हुई थी. उनकी मौत को लेकर असम में पहले सवाल उठ रहे हैं। अब लिखित शिकायत पर एफआईआर की अर्जी में मुख्यमंत्री की पत्नी का नाम सामने आने से मामला गरमा गया है। राजनीतिक तौर पर भी यह घटना अहम मानी जा रही है. हाल ही में बोडोलैंड परिषद चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विपक्ष इसे हेमंत सरकार के खिलाफ जनता के असंतोष से जोड़ रहा है। पुलिस ने शिकायत की पुष्टि की है, अभी मामले की जांच की जा रही है। भाजपा खेमे के लिए यह शिकायत बड़े संकट का संकेत बन सकती है।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव का पीएम मोदी ने किया स्वागत कहा- अमन का बेहतर रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में शांति के अमेरिकी प्रस्ताव का पीएम नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के 20-प्वाइंट पीस प्लान (शांति प्रस्ताव) का स्वागत किया। इस प्लान का मकसद इजराइल-गाजा युद्ध को समाप्त करना है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद यह घोषणा की। इस ऐलान पर पीएम मोदी ने कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ बड़े पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यावहारिक रास्ता है।

बता दें कि स्थानीय समयानुसार सोमवार को, ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की इस योजना पर चर्चा की। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 20-प्वाइंट प्लान जारी किया। इसमें कहा गया कि अगर इजराइल और हमास दोनों इस योजना को स्वीकार कर लें, तो तुरंत संघर्ष समाप्त किया जाएगा। योजना स्वीकार किए जाने पर इजराइली सेना को निर्धारित रेखा पर वापस लौटना होगा ताकि बंधकों की रिहाई की तैयारी की जा सके।

इस प्रस्ताव को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हम राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक व्यावहारिक रास्ता है। हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और इस प्रयास का समर्थन करेंगे ताकि संघर्ष समाप्त हो और शांति स्थापित हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के लिए एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव के अंतर्गत सभी सैन्य गतिविधियां, जिनमें हवाई हमले और तोपखाना शामिल हैं, को रोका जाएगा और युद्ध रेखाएं तब तक स्थिर रहेंगी, जब तक चरणबद्ध वापसी की शर्तें पूरी नहीं होतीं। योजना का मकसद फिलिस्तीन में एक अस्थायी प्रशासनिक बोर्ड स्थापित करना भी है, जिसका नेतृत्व ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

20 प्वाइंट प्लान के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा तो वे हमास सदस्य जो शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने हथियारों को निरस्त कर देते हैं, उन्हें माफी दी जाएगी। ट्रंप और नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि वे गाजा में युद्ध समाप्त करने की योजना पर सहमत हो गए हैं लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमास इन शर्तों को स्वीकार करेगा या नहीं।

म्यांमार में आए भूकंप का भारत पर असर, पूर्वोत्तर राज्यों में लगे झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में मंगलवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। बाद में पता चला कि म्यांमार में आए भूकंप का असर भारतीय राज्यों में भी हुआ है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई, जिसकी पुष्टि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने की है। सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र भारत-म्यांमार सीमा के बेहद नजदीक था। इस झटके की तीव्रता ज्यादा भले न रही हो, लेकिन मणिपुर, नागालैंड और असम सहित कई राज्यों में लोगों ने इसे साफ तौर पर महसूस किया। सुबह-सुबह जमीन के हिलने से लोगों में कुछ समय के लिए हलचल और चिंता का माहौल बन गया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अभी तक जान या माल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। फिर भी प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां सतर्क हैं और स्थिति का आंकलन कर रही हैं। मणिपुर के उखरूल जिले से केवल 27 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में। इसकी गहराई जमीन के अंदर 15 किलोमीटर आंकी गई, जो इसे सतह के काफी करीब बनाती है। यह भूकंप उस समय आया है, जब कुछ ही दिन पहले बांग्लादेश में भी धरती डोली थी। शनिवार, 27 सितंबर को बांग्लादेश में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, जो भारत के कोलकाता से महज 89 किलोमीटर दूर पूर्वोत्तर दिशा में था। उस भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इससे भी ज्यादा संयोग की बात यह है कि आज ही के दिन, 30 सितंबर को, भारत ने एक भयानक त्रासदी का सामना किया था। वर्ष 1993 में इसी तारीख को महाराष्ट्र के लातूर में एक विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें हजारों लोगों की जान चली गई थी। उसी दिन राजस्थान के जोधपुर में एक मंदिर में मची भगदड़ में भी सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ हादसे की जांच के लिए एनडीए टीम करेगी दौरा, 41 की हो चुकी है मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर जिले में राजनेता विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) की रैली में मची भगदड़ ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। इस हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 18 महिलाएं, 9 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं। हादसे की जांच के लिए मंगलवार को हेमा मालिनी के नेतृत्व में एनडीए टीम दौरा करने वाली है।

पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन समेत तमाम राजनेताओं ने हादसे पर दुख प्रकट कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, एल मुरुगन और तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने पहले ही प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। करूर हादसे में 41 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना 27 सितंबर को वेलुसाम्यपुरम में करूर-ईरोड हाईवे पर हुई, जहां मिली अनुमति से ज्यादा समर्थक जुट गए। भीड़ के अपने प्यारे अभिनेता और राजनेता विजय को देखने के उत्साह में स्टेज की ओर बढ़ने से भगदड़ मची। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व न्यायाधीश अरुणा जगदीश की एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है, जो घटनास्थल का दौरा कर चुका है।

सीएम एम के स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए और घायलों को 1 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। वहीं, टीवीके प्रमुख विजय ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट में डीएमके पर साजिश का आरोप लगाते हुए सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की है। पुलिस ने टीवीके के जनरल सेक्रेटरी बुस्सी आनंद और दो अन्य पर एफआईआर दर्ज की है, जिसमें भीड़ प्रबंधन की लापरवाही का आरोप है।

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर फिर दायर हो सकती है क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल !

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की एक टिप्पणी ने अयोध्या विवाद एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण ही मूल रूप से अपवित्र था। उनका कहना था कि जिस स्थान पर पहले से मन्दिर हो, वहां मस्जिद बनाना ही अपवित्र था। इसी को लेकर विवाद शुरू हो गया है और प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने तो राम मंदिर पर आए फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ के बयान के आधार पर ही क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की जा सकती है।

वहीं दूसरी तरफ चंद्रचूड़ अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनके शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और सुप्रीम कोर्ट का अयोध्या फैसला साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों पर आधारित था, न कि आस्था पर। उन्होंने यह भी कहा कि आलोचक अक्सर पूरे फैसले को नहीं पढ़ते, जो 1,000 से अधिक पृष्ठों का है। कहा जाता है कि इस फैसले की ड्राफ्टिंग खुद चंद्रचूड़ ने ही की थी। चंद्रचूड़ के साक्षात्कार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्रोफेसर जी. मोहन गोपाल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ के बयान में वह बात कही गई है, जो फैसले में ही नहीं है। ऐसे में इसके आधार पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा सकती है। 2019 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने राम मंदिर केस में फैसला सुनाया था। इस बेंच में तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर शामिल थे। बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष यह साबित करने में असफल रहा है कि बाबरी मस्जिद वाले स्थान पर उनका कोई निर्बाध मालिकाना हक रहा है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया गया और अब राम मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। राम मंदिर पर आए फैसले में यह भी स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया कि बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए मंदिर को तोड़ने का कोई प्रमाण नहीं है। प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने चंद्रचूड़ की टिप्पणी के जवाब में कहा कि अब अयोध्या का फैसला दूषित हो गया है और फैसले तथा बाद की टिप्पणियों के बीच असंगति से निर्णय में विश्वास कमजोर हो सकता है।

चैतन्यानंद के मोबाइल में मिली लड़कियों के चैट्स, पूछताछ में कर रहा गुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्राओं से यौन उत्पीड़न का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती पूछताछ में पुलिस को सहयोग नहीं कर रहा है। उसे अपने किए गए कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है। पूछताछ में वह लगातार झूठ पर झूठ बोल रहा है। उसकी दो महिला सहयोगियों को हिरासत में लेकर आमना-सामना करवाया जा रहा है। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कई लड़कियों के चैट्स भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैट्स में सबूत मिला है कि चैतन्यानंद लड़कियों को झांसा देता था और उन्हें प्रलोभन भी देता था। साथ ही उसने कई एयरहोस्टेस के साथ फोटो खिंचवाकर फोन में रखी है। इसके अलावा कई लड़कियों की डीपी की स्क्रीनशॉट्स और गंदी चैट भी उसके मोबाइल फोन में मिली है। सख्ती से पूछताछ और चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ मौजूद सबूतों को दिखाने पर ही बाबा सवालों के जवाब देता है। पूछताछ में बाबा के फर्जीवाड़े के नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती का मंगलवार को उनकी दो महिला सहयोगियों से आमना-सामना कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों महिला सहयोगियों ने पीड़ितों को धमकाया और उन्हें अपने अश्लील मैसेज डिलीट करने के लिए मजबूर किया। पुलिस को चैतन्यानंद के फोन में कई महिलाओं के साथ चैट मिली है। जिसमें झूठे वादे करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। अधिकारी ने बताया कि चैतन्यानंद के फोन में एयरहोस्टेस के साथ कई फोटो भी मिली है। बता दें दिल्ली में एक केंद्र द्वारा अनुमोदित निजी संस्थान के अध्यक्ष पद पर रहते हुए चैतन्यानंद ने बाबा के भेष में अपने आपराधिक कारनामे जारी रखे।

वांगचुक और कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करें तभी बातचीत संभव

-एलएबी ने चार प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपनाया कड़ा रुख

लेह (एजेंसी)। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक समेत सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली जरूरी है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है।

एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा कि हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे यहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं। बातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई। मृतक पूर्व सैनिक था।

गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। इसमें कहा गया कि हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के जरिए लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया है। इसके मुताबिक लद्दाख को लेकर संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। हमें यकीन है कि निरंतर बातचीत से भविष्य में सही नतीजे हासिल होंगे।

आई लव मुहम्मद पर सीएम धामी की चेतावनी, शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी

किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को आई लव मुहम्मद लिखी तख्तियों के प्रदर्शन पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने इस प्रदर्शन को त्योहारों और सार्वजनिक शांति भंग करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया है। सीएम धामी ने इन हरकतों को सोची-समझी साजिश कहा, जिसका उद्देश्य त्योहारों और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अशांति पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे वे ताकतें हैं जो भारत को मजबूत होते और विकसित भारत के संकल्प में हो रहे विकास को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप किसी से जुड़े हैं, तो आपको उनके नाम की तख्ती लेकर घूमने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने कहा कि सच्चा सम्मान व्यवहार में झलकना चाहिए।

सीएम धामी ने अल्टीमेटम देकर कहा कि शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तराखंड की धरती पर इस तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दरअसल ये पूरा विवाद उत्तर प्रदेश के बरेली शहर से जुड़ा है, जहां 26 सितंबर को आई लव मुहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था, जिससे शहर में तनाव बना हुआ है। शुक्रवार की नमाज के बाद प्रदर्शनकारी आई लव मोहम्मद की तख्तियां लिए हुए आला हजरत दरगाह और आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के घर के बाहर जमा हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव हुआ और पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को व्हाट्सएप पर भड़काऊ संदेशों के जरिए उकसाया गया था। बरेली पुलिस ने 56 गिरफ्तारियाँ की हैं, जिनमें बरेली हिंसा मामले का प्रमुख साजिशकर्ता नदीम खान भी शामिल है। एसएसपी अनुराग आर्य ने पुष्टि की कि नदीम को हिंसा भड़काने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हालिया हिंसा में शामिल उपद्रवियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी।

बड़ी मुश्किल से अध्यक्ष चुन पाई थी कांग्रेस, फिर भी मच रहा है घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमाम विचार मंथन और असंतुष्ट नेताओं को समझा बुझाकर कांग्रेस ने हरियाणा में अपना प्रदेश अध्यक्ष चुना था। इसके लिए पार्टी को पूरा एक साल लग गया। इसके बाद भी अब अध्यक्ष को लेकर न केवल सवाल उठ रहे हैं बल्कि कांग्रेस के भीतर घमासान भी शुरू हो गया है।

कैप्टन अजय यादव ने ट्वीट किया, हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के लगातार गिरते ग्राफ को देखते हुए, आज लिए गए निर्णय पर पार्टी को आत्म निरीक्षण करने की आवश्यकता है। राहुल गांधी की इच्छा थी कि हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जिसकी छवि पूरी तरह साफ-सुथरी, बेदाग और युवा नेतृत्व की पहचान रखने वाली हो। लेकिन आज का निर्णय इसके ठीक उलट दिखाई देता है। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और कैडर का मनोबल बिलकुल गिर गया है। उनका सीधा इशारा राव नरेंद्र सिंह की ओर है, जिन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कमान मिली है।

सीनियर लीडर कैप्टन अजय यादव ने यह साफ नहीं किया कि वह क्यों राव नरेंद्र सिंह को साफ-सुथरी छवि का नेता नहीं मानते हैं, लेकिन इसके तार 2016 के एक केस जोड़े जा रहे हैं। दरअसल राव नरेंद्र सिंह पर 2016 में एफआईआर दर्ज हुई थी। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने जमीन का इस्तेमाल बदलने के लिए कैश लिया था। लोक अदालत की जांच के बाद राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ केस फाइल हुआ था। माना जा रहा है कि कैप्टन अजय यादव ने इशारों में उसी केस का जिक्र करते हुए राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने का विरोध किया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि ओबीसी नेता के नाम पर खुद कैप्टन अजय यादव दावेदारी कर रहे थे। ऐसे में उनकी ही बिरादरी के राव नरेंद्र सिंह को बनाए जाने से वह खफा हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी अपनी सियासी जमीन भी कमजोर होगी।

हरियाणा में कांग्रेस ने बीते साल विधानसभा चुनाव में करारी मात खाई थी। 2009 में आखिरी बार विधानसभा चुनाव जीतने वाली कांग्रेस को लगातार तीन बार हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद नेतृत्व को लेकर रस्साकशी हुई तो एक साल बाद ही नेता विपक्ष के तौर पर भूपिंदर सिंह हुड्डा को चुना गया है तो वहीं प्रदेश अध्यक्ष अहीरवाल बेल्ट के नेता राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस को लगता है कि इससे उसे भाजपा के गढ़ बने अहीरवाल में सेंध लगाने में मदद मिलेगी, लेकिन इसका उलटा होता दिख रहा है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने ही इस फैसले पर सवाल उठा दिए हैं, जो पार्टी के सीनियर लीडर हैं। उनका कहना है कि यह फैसला गलत है और इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है।